संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 201
पृष्ठ 8
शनिवार
12 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अप्रैल की गर्मी से बचने के लिए...

विचार- अहमदाबाद में मजबूती पाती कांग्रेस

खेल- पृथ्वी शॉ आईपीएल 2025 में आ...

भारत आज विकास और विरासत साथ लेकर चल रहा है : मोदी

वाराणसी, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज का भारत विकास और विरासत साथ लेकर चल रहा है। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे श्री मोदी ने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार–बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा " काशी मेरी है और मैं काशी का हूं।" काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुये उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। उन्होने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, "जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत हौ।" उन्होंने काशी की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के सामंजस्य को भारत के विकास का एक अनूठा मॉडल करार दिया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वांचल को

विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। काशी के हर निवासी को इन योजनाओं से लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं में लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस–सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड का भी वितरण किया, जिनमें दिनेश कुमार रावत, राजेंद्र प्रसाद और दुर्गावती शामिल थे। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि आज बुजुर्गों के चेहरों पर संतोष का भाव मेरे लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा। आपके इलाज का खर्च अब सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि काशी में अब तक 50 हजार आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है। श्री मोदी ने रमेश कुमार, अनिल कुमार और छिद्दु को जीआई पंजीकृत प्रमाणपत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिनमें तबला, शहनाई, ठंडई, लाल भरुआ मिर्च, लाल पेड़ा और तिरंगा बर्फी शामिल हैं। पीएम ने कहा कि जीआई टैग केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान का पासपोर्ट है। ये काशी के हुनर को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। उन्होंने यूपी को जीआई टैगिंग में देश में नंबर वन बताया और कहा कि यह स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों के लिए गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने बनास डेयरी के पशुपालकों को 106 करोड़ रुपये की बोनस राशि हस्तांतरित की। उन्होंने इसे पशुपालकों की मेहनत का पुरस्कार बताया और कहा कि ये कोई उपहार नहीं, बल्कि आपकी तपस्या का फल है। बनास डेयरी ने काशी में हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति को बदला है, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाकर। पूर्वांचल की अनेक बहनें अब लखपति दीदी बन चुकी हैं। पहले गुजारे की चिंता थी, अब उनके कदम खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसमें पिछले 10 वर्षों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बनास डेयरी काशी संकुल 1 लाख किसानों से दूध संग्रह कर रहा है और गीर गायों का वितरण कर पशुपालकों को सशक्त बना रहा है। उन्होने वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए बताया कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इनमें फुलवरिया फ्लाईओवर, रिंगरोड, और गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले चौड़े रास्ते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले छोटे–छोटे त्योहारों पर भी जाम लग जाता था। अब रास्ते चौड़े हुए हैं, समय बच रहा है। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार के साथ–साथ 6 लेन का अंडरग्राउंड टनल, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस–सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। पीएम ने काशी में शुरू होने वाले सिटी रोपवे का भी जिक्र किया, जो इसे दुनिया के चुनिंदा शहरों में शामिल करेगा। प्रधानमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को याद किया और उनके नारी सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना के प्रयासों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले और सावित्री बाई फुले ने नारी शक्ति के आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए जीवन समर्पित किया। हम उनके संकल्पों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होने सरकार के "सबका साथ, सबका विकास" के मंत्र को दोहराया और इसे परिवारवाद की राजनीति से अलग बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल सत्ता हथियाने के लिए दिन रात खेल खेलते हैं उनका सिद्धांत है श्परिवार का साथ परिवार का विकासश। प्रधानमंत्री ने पूर्वांचल की मेहनतकश महिलाओं की प्रशंसा की जो बनास डेयरी के माध्यम से नई मिसाल बन रही हैं। श्री मोदी ने काशी के युवाओं को खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है और काशी के नौजवानों को अभी से मेहनत शुरू करनी होगी। काशी में नए स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण की सुविधा मिले। पीएम ने कहा कि काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने काशी को भारत की आत्मा और विविधता की सबसे खूबसूरत तस्वीर बताया।

नई काशी को देखने के लिए हर श्रद्धालु है उतावला: योगी

वाराणसी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काशी का जो विकास हुआ है उस नई काशी को, उसके नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। महाकुंभ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र काशी आगमन पर श्री योगी ने कहा कि हर किसी ने पिछले 11 वर्ष में बदलती हुई काशी को देखा है। यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी। काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त–व्यस्त पड़े शिक्षा के केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50000 करोड रुपए से अधिक की परियोजनाएं आई हैं। आज भी प्रधानमंत्री के कर कमलों से काशी में लगभग 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है। इस अवसर पर उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राधा–कृष्ण की लीलाओं से आच्छादित अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिन्ह के रूप में वाराणसी की जीआई टैग प्राप्त काष्ठकला से निर्मित कमल छत्र भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक विजय के साथ ही दिव्य और भव्य महाकुंभ के आयोजन के उपरांत प्रधानमंत्री की यह पहली काशी यात्रा है। दिव्य और भव्य महाकुंभ के इस आयोजन में काशी भी इसका साक्षी बना। देश और दुनिया से आने वाला हर श्रद्धालु पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस नई काशी और बाबा विश्वनाथ की पावन धरा को नए कलेवर के रूप में देखने को उतावला दिखाई दे रहा था। 45 दिनों के इस आयोजन के अवसर पर काशी में भी एक महा समागम दिखाई दे रहा था और इस दौरान 3 करोड़ से अधिक श्रद्धालु यहां पर आकर बाबा विश्वनाथ के पावन धाम में दर्शन करके पुण्य के भागीदार बने। महाकुंभ की सफलता, उसकी भव्यता और उसकी दिव्यता प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में एक नई ऊंचाई को छूती हुई दिखाई दी। यह सब संभव हुआ है स्वच्छता के प्रति प्रधानमंत्री ने जो गाइडलाइन दी और सुरक्षा के प्रति सतर्कता के बारे में जो निर्देश दिए उसका पालन करके। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना के बाद हर श्रद्धालु जिसने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाई उसने अपने आप को अभिभूत होता हुआ पाया। नमामि गंगे परियोजना की सफलता के कारण महाकुंभ भी आज सफल हुआ है।

कन्हैया कुमार समेत कई कांग्रेसी हिरासत में, करने जा रहे थे सीएम हाउस का घेराव

पटना, एजेंसी। बिहार में सियासत के एक प्रमुख बिंदु में, शुक्रवार को कन्हैया कुमार के नेतृत्व में पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। यह विरोध प्रदर्शन राज्य में बेरोजगारी और पानी की कमी के खिलाफ था। हालांकि, जब प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की, तो सुरक्षा बलों ने हस्तक्षेप किया और उन्हें तितर–बितर करने के लिए पानी की बौछारों और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। जब

भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई, तो कुमार और कुछ अन्य लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कन्हैया कुमार ने कहा कि हम लाठीचार्ज या वाटर कैनन की मांग नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारे नलों में पानी आए। हम नहीं चाहते कि हम पर पानी छिड़का जाए, लेकिन हम चाहते हैं कि बिहार की श्नल जल योजनाश ठीक से काम करे और लोगों को उनके घरों में पानी मिले। जब सरकार नलों में पानी नहीं देती है तो वह छात्रों और युवाओं पर वाटर कैनन का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि पहला प्रयास सफल रहा है, क्योंकि बिहार की राजनीति में पलायन और रोजगार एक दूसरे से जुड़े मुद्दे बन गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब तक वास्तविक प्रगति नहीं होगी, तब तक यात्रा निरंतर जारी रहेगी। दशकों से पलायन मजबूरी की वजह से होता रहा है–लोग पलायन नहीं करना चाहते।

वक्फ एक्ट के खिलाफ श्रीनगर में पीडीपी का विरोध प्रदर्शन, निरस्त करने की मांग की

श्रीनगर, एजेंसी ।इपुलिस ने शुक्रवार को हाल ही में पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) द्वारा निकाले जा रहे विरोध मार्च को विफल कर दिया। इसके लिए पार्टी मुख्यालय पर शेर–ए–कश्मीर पार्क के पास बैरिकेडिंग कर दी गई और प्रदर्शनकारियों को परिसर के अंदर ही रोक दिया गया। पार्टी महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पीडीपी कार्यकर्ता अधिनियम के विरोध में एकत्र हुए थे, जिसे पिछले सप्ताह संसद में पारित किया गया था। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने शहर के केंद्र की ओर मार्च करने का प्रयास किया, कार्यालय के बाहर तैनात पुलिस ने उन्हें रोक दिया और गेट बंद कर दिए, जिससे प्रदर्शन परिसर तक ही सीमित हो गया। "हम वक्फ विधेयक को अस्वीकार करते हैं" और "एनसी की चुप्पी आपराधिक है" लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों ने अधिनियम को निरस्त करने की मांग करते हुए नारे लगाए।

मोदी की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना धरातल से गायब है : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल किया है कि उन्होंने करीब एक साल पहले रोजगार से जुड़ी योजना की शुरुआत बड़े धूमधाम से की थी लेकिन उसके परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित इस योजना के लिए बड़ी राशि का ऐलान कर इसके लिए धन भी आवंटित किया गया, लेकिन इस राशि को वापस कर दिया गया है और इस तरह प्रधानमंत्री की यह योजना भी जुमला बनकर रह गई है। श्री गांधी ने कहा, "2024 के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे युवाओं को रोजगार देने

का वादा करते हुए बहुत धूमधाम से श्रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहनश योजना की घोषणा की। यह घोषणा किए हुए लगभग एक साल हो गया है, सरकार ने इसे परिभाषित भी नहीं किया है और इसके लिए आवंटित 10,000 करोड़ रुपये वापस कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी को लेकर कितने गंभीर हैं।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मेरे इन विचारों से श्री मोदी सहमत नहीं होंगे लेकिन यह पक्का है कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यवसायों की तुलना में कुछ पूंजीपतियों को बढ़ावा देकर उत्पादन की तुलना में जोड़तोड़ के निर्माण को प्राथमिकता देकर और भारत के स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकती।

'जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट' ने भी अलगावादी विचारधारा छोड़ी : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेन्स से जुड़े एक और संगठन जम्मू–कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगावादी विचारधारा को छोड़कर देश की एकता के प्रति एकजुटता की घोषणा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर मास मूवमेंट के इस निर्णय के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में अलगाववाद को खारिज करने वाले संगठनों की संख्या बढकर 12 हो गयी है। श्री शाह ने कहा , " मोदी सरकार के तहत जम्मू–कश्मीर में एकता की भावना व्याप्त है। हुर्रियत से जुड़े एक अन्य संगठन जम्मू–कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज करते हुए भारत की एकता के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता की घोषणा की है।

कोच्चि के एर्नाकुलम कोर्ट में वकीलों और एसएफआई कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प, 20 घायल

कोच्चि, एजेंसी। एर्नाकुलम जिला न्यायालय परिसर में तनाव फैल गया, जब वकीलों के एक समूह और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कथित सदस्यों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें करीब 20 लोग घायल हो गए। यह घटना जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक समारोह के दौरान हुई। पुलिस

रिपोर्टों के अनुसार, इस विवाद में 16 एसएफआई कार्यकर्ता और 8 वकील घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस सूत्रों का कहना है कि एसएफआई कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा कथित तौर पर समारोह स्थल में घुसने और कार्यक्रम को बाधित करने के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ गई, जिससे हाथापाई शुरू हो गई। झड़प में शामिल वकीलों ने कार्यकर्ताओं पर उत्सव के दौरान हंगामा करके उन्हें जानबूझकर भड़काने का आरोप लगाया।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

कार सवारों ने अधिवक्ता सहित तीन को पीटा

प्रयागराज। सिविल लाइंस में दो कारों से हूटर बजाते हुए अपने साथियों के साथ कार से जा रहे अधिवक्ता से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। उनके साथियों को भी पीटा गया। बेली कछार में मारकर फेंक देने की धमकी दी गई। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग आए, तो आरोपित भाग गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। अल्लापुर निवासी अतुल यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सात अप्रैल को एक रेस्टोरेंट से खाना खाकर सिविल लाइंस स्थित रायल होटल के सामने से गुजर ही रहा था। तभी सामने से आ रही सफेद रंग की सफारी व वर्ना कार हूटर बजाते हुए सामने रूकी। जब तक पीड़ित कुछ समझते, कार सवार युवकों ने शिवम चौबे व आयुष पर हमला कर दिया। तमंचे के बट से हमला कर दिया। हमलावरों ने कार का साइड शीशा भी तोड़ दिया।

ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार अधिवक्ता की मौत

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के साजी गांव के समीप गुरुवार की देर रात ट्रैक्टर ट्राली के धक्के से बाइक सवार अधिवक्ता की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुटी है। बेलवनिया के खम्हारपट्टी गांव निवासी अधिवक्ता 46 वर्षीय ज्ञानबाबू यादव गुरुवार की रात किसी काम से कोरांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में साजी गांव के समीप आगे जा रहा ट्रैक्टर ट्राली कट मार दी, जिससे बाइक सवार ज्ञानबाबू ने लहूलुहान होकर गिर गए। आनन–फानन में परिजन घायल ज्ञानबाबू को लेकर सीएचसी कोरांव पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान ज्ञानबाबू की मौत हो गई। मृतक ज्ञानबाबू का एक बेटा संस्कार और दो बेटी इशिता व रीसू हैं। घटना से मां फूलेश्वरा देवी, पत्नी सुनीता सहित अन्य परिजनों का रो–रो कर बुरा बना रहा।

समूह की महिलाओं को उद्यमी बनने के गुर

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग में गुरुवार को प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। स्वयं सहायता समूह को उद्यमी बनने के गुर सिखाए गए। मुख्य वक्ता डॉ. स्वाति दीपक दुबे ने बताया कि किसी भी काम को अगर सच्चे मन से किया जाए तो रास्ते खुद मिलने लगते हैं। यह प्रतापगढ़ के कालाकांकर की महिलाओं ने सिद्ध कर दिया है। काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बस काम करने तथा सीखने का गुण होना चाहिए। डॉ. स्वाति ने कॉपीराइट, पेटेंट, क्यूआर कोड और स्वयं सहायता समूह के बारे में भी पूरी जानकारी दी। कालाकांकर की स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष शीलू ने अपने समूह की ओर से बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई। प्रो. अर्चना पांडेय ने आविष्कार और नवाचार के अंतर को बताया। इस अवसर पर डॉ. सुधि श्रीवास्तव, डॉ. चारू त्रिपाठी, प्रो. अर्चना पांडेय, गरिमा गुप्ता, डॉ. विनीता जयसवाल, डॉ. हिमानी चौरसिया आदि मौजूद रहीं।

महाकुम्भ की बिजली टीम को लखनऊ में मिला सम्मान

प्रयागराज। महाकुम्भ के सफल आयोजन में बिजली विभाग ने मुख्य भूमिका निभाई। इस महापर्व पर आधुनिक उपकरणों की मदद से ऐसी व्यवस्था की गई थी कि न तो कहीं पर

ट्रिपिंग की समस्या हुई और न ही कोई मामला सामने आया। इस उपलब्धि पर में आयोजित 'रियल हीरोज ऑफ महाकुम्भ कार्यक्रम के तहत ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने महाकुम्भ 2025 में निर्बाध एवं दुर्घटनारहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर महाकुंभ के कर्मवीरों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रयागराज से अवर अभियंता और उनके सहयोगियों को यह सम्मान मिला है।

बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए शिक्षकों ने लगवाया ई-रिक्शा

प्रयागराज। जसरा स्थित प्राथमिक विद्यालय बघोलवा बस्ती से पांचवीं पास अधिकांश बच्चे कंपोजिट विद्यालय खेरहटखुर्द दूर होने और बीच में हाईवे पड़ने के कारण कुछ दिन बाद पढ़ाई छोड़ देते थे। इस समस्या के समाधान के लिए बघेलवा बस्ती के प्रधानाध्यापक एसपी सिंह ने कंपोजिट विद्यालय खेरहटखुर्द के प्रधानाध्यापक अनिल प्रकाश से बात की। दोनों प्रधानाध्यापकों ने ऐसे सभी बच्चों एवं अभिभावकों से सम्पर्क करके कहा कि आप लोग खेरहटखुर्द में सरकारी स्कूल में बच्चों को नियमित रूप से भेजिए। हम लोग पूरा सहयोग करेंगे। बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए दोनों प्रधानाध्यापकों ने अपनी खर्च पर एक ई–रिक्शा लगवा दिया है जो बच्चों को लेकर हाईवे के पार कंपोजिट स्कूल ले जाता है।

पदों में वृद्धि को लेकर कृषि प्रतियोगी छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। सर्किट हाउस में छात्र संवाद कार्यक्रम में पहुंचे एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह को प्रतियोगी छात्रों ने कृषि प्रावधिक सहायक भर्ती में 2052 पदों को जोड़ने की मांग की है। कृषि प्रतियोगी छात्र अभिनव मिश्रा, आशुतोष तिवारी, अमित शुक्ला, पवनेश सिंह, निखिल शुक्ला, बृजेंद्र पांडेय, विशाल सिंह, अमित यादव आदि का कहना है उन्होंने पिछले छह महीने से क्रमशः मुख्यमंत्री जनता दरबार, कृषि विभाग व उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग से पत्र, मेल, ज्ञापन इत्यादि के माध्यम से लगातार पदों में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि पीईटी 2023 से कृषि प्राविधिक सहायक के 3446 पदों पर उनकी भर्ती पूर्व से गतिमान है जिसमें 2052 पदों को जोड़ा जाना चाहिए। इस संदर्भ में कृषि विभाग की ओर से मार्च 2025 में (2052) पदों का नवीन संशोधित अधियाचन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेजा भी गया है। छात्रों की मांग है मुख्य परीक्षा सम्पन्न होने से पूर्व अन्य भर्तियों की भांति कृषि प्रावधिक सहायक भर्ती के लिए प्राप्त हुए 2052 पदों को 3446 पदों में जोड़ने के बाद ही मुख्य परीक्षा कराई जाए जिससे अधिक से अधिक छात्रों को रोजगार मिल सके।

कागज पर गांव से हो गया शहर, सुविधाएं दिए बगैर नगर निगम मांग रहा कर

प्रयागराज। नगर निगम के नव विस्तारित क्षेत्र वार्ड संख्या 52 हवेलिया में मूलभूत सुविधाएं अब तक नहीं पहुंची हैं। दिसंबर 2020 में शहरी सीमा में शामिल होने के चार साल बीतने के बावजूद क्षेत्र के लोग तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं। नगर निगम में शामिल होने की जानकारी पर स्थानीय लोग पूर्व में विरोध करते हुए न्यायालय में भी गए लेकिन फैसला उनके पक्ष में नहीं आया और आखिरकार हवेलिया को नगर निगम क्षेत्र में शामिल कर लिया गया। अब लोग सुविधाएं न मिलने और भारी भरकम टैक्स थोंप दिए जाने से ठगा महसूस कर रहे हैं। नगर निगम में शामिल होने के बावजूद हवेलिया में अब तक न तो सीवर लाइन बिछ सकी है और न ही पूरे इलाके में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चत की जा सकी है। सीवर, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट, नाला–नालियों का निर्माण न होना जैसी तमाम समस्याओं से यहां के लोग जूझ रहे हैं।

नगर निगम के विस्तारीकरण के क्रम में गंगातट के करीब बसे हवेलिया गांव को भले ही शहरी क्षेत्र में शामिल कर लिया गया लेकिन अब तक यहां के बाशिंदे पेयजल, सीवर लाइन, सफाई, स्ट्रीट लाइट, नाले नालियों का निर्माण न होने से परेशान हैं। यहां की मुख्य समस्या पेयजल आपूर्ति और सीवर लाइन का न होना है। पूरे इलाके में अब तक पेयजल के लिए पाइप लाइन तक नहीं डाली गई है। जहां पाइप लाइन बिछ भी गई है वहां से घरों की टोटियों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। लोग निजी बोरिंग कराकर या पानी खरीद कर काम चला रहे हैं। कुछ घरों तक पानी पहुंचा भी है तो वहां दूषित जलापूर्ति के कारण पानी पीने लायक नहीं है। स्थानीय लोग बताते हैं कि पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन जगह–जगह से क्षतिग्रस्त है जिससे दूषित जलापूर्ति हो रही है। इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने जोन कार्यालय एवं जल संस्थान में की लेकिन कुछ नहीं हुआ।

सीवर लाइन की व्यवस्था न होने और नाला–नालियों के चोक होने से गंदा पानी सड़कों पर आ जाता है। पूरे इलाके में अब तक नाला–नाली का निर्माण भी नहीं हो पाया है। जहां नालियां बनी भी वह सफाई के अभाव में चोक हैं । बारिश में यहां स्थित और भी बदतर हो जाती है। जल निकासी की उचित व्यवस्था के अभाव में गंदा पानी सड़क और गलियों में जमा हो जाता है। लोगों को इसी गंदे पानी से होकर आना जाना पड़ता है। सफाई कर्मी कभी–कभी ही दिखते हैं और खानापूरी कर चले जाते हैं। सफाई की उचित व्यवस्था के अभाव में गंदगी एवं बदबू से लोग परेशान रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई केवल मुख्य मार्गों तक ही सीमित होकर रह गई है। सम्पर्क मार्ग और गलियां बजबजाती रहती हैं। महाकुम्भ के बाद से मच्छरों की बढ़ती तादात से यहां के लोग परेशान हैं। लोग दवा के छिड़काव और फागिंग की लगातार मांग कर रहे हैं लेकिन मुख्य मार्ग को छोड़कर कहीं फागिंग नहीं हो रही है। जिससे समस्या दिनों दिन जटिल होती जा रही है।

ग्राम पंचायत की बनाई गली–सड़क का सहारा

मेला क्षेत्र एवं गंगा तट जाने वाले मुख्य मार्ग पर अड़ार पुलिया की रेलिंग न बनाए जाने से हादसे की आशंका बनी रहती है। अब भी कई स्थानों पर गलियों एवं सड़कों का कार्य नहीं हो पाया है। साफ तौर पर लोगों का कहना है कि शहरी क्षेत्र में शामिल होने से पूर्व ग्राम पंचायत ने गली–सड़क के जो कार्य कराए थे उसी के सहारे उनका काम चल रहा है। महाकुम्भ के दौरान बनी सड़कों को छोड़ दिया जाय तो नगर निगम का काम कहीं नहीं दिखता। बस्ती में बने स्वास्थ्य केंद्र को लोगों ने कभी खुलते नहीं देखा।

मनमाना गृहकर लगाए जाने का आरोप

लोगों में इस बात को लेकर गहरी नाराजगी है कि इन सबके बावजूद उन पर मनमाने तरीके से भारी भरकम गृहकर लगा दिया गया है। कहा जा रहा है कि नगर निगम में शामिल करते समय स्थानीय लोगों को मौखिक रूप से आश्वस्त कराया गया था कि अगले पांच वर्ष तक उनसे कोई टैक्स नहीं लिया जाएगा लेकिन अब गृहकर और उस पर विलंब के ब्याज का नोटिस आने से खलबली मची है। अर्धनिर्मित मकानों, स्कूल एवं पूजा स्थलों को भी हाउस टैक्स का नोटिस भेज दिया गया है जबकि कहा जा रहा है कि पूजा स्थल एवं मान्यता प्राप्त स्कूल कॉलेज गृहकर की परिधि से बाहर रखे जाते हैं। गृहकर जारी करते समय कहा गया था कि जिन्हें इस पर आपत्ति है वह संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं लेकिन आवेदन के बावजूद बिना उस पर विचार किए ब्याज सहित जमा कराने के लिए कहा जा रहा है। जिससे एक सप्ताह से बस्ती के लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। लोगों का कहना है कि नगर निगम पहले सुविधाएं मुहैया कराए फिर टैक्स लगाए, तो उन्हें कर देने में कोई आपत्ति नहीं होगी। मगर बगैर सुविधाएं दिए कर थोंपा जाना कतई न्याय संगत नहीं है।

––बोले जिम्मेदार–––

जहां से भी शिकायत मिल रही है वहां सीमित संसाधनों के बावजूद लीकेज पाइप लाइनों को दुरुस्त कराया जा रहा है। अगस्त 2024 तक की पिछली धनराशि का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। हवेलिया को नगरीय जलकल में शामिल करने के लिए प्रस्ताव एक वर्ष से भी अधिक समय पूर्व भेजा जा चुका है। नगरीय जल कल में शामिल हो जाने के बाद ही समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।

प्रवीण कुमार, एक्सईएन जल संस्थान, जोन 8

जनवरी–फरवरी में महाकुम्भ के कारण हाउस टैक्स में संशोधन का काम पूरा नहीं हो पाया था लेकिन कई लोगों के बिल संशोधित किए गए। बिल संशोधन का कार्य बराबर चल रहा है जिन्हें आपत्ति है वह आवेदन कर सकते हैं, नियमानुसार उनके बिल संशोधित कर दिए जाएंगे। सार्वजनिक पूजा स्थल एवं इंटर तक के मान्यता प्राप्त विद्यालयों का हाउस टैक्स नहीं लगता, जल कर के लिए उसका मूल्यांकन किया जाता है।

वीरेन्द्र सिंह, कर अधिकारी, जोन 8

विकास कार्यों में भेदभाव के आरोप निराधार हैं। सीसी रोड, नाली एवं उनके ढक्कन का निर्माण कार्य बिना किसी भेदभाव के कराया जा रहा है। तीन पुलिया का प्रस्ताव भेजा गया था जिनमें मात्र एक पुलिया ही पास हो पायी है। अन्य पुलिया का प्रस्ताव पास होने एवं धनराशि निर्गत होने पर अड़ार पुलिया की रेलिंग बना दी जाएगी।

गुल फिरोज, पार्षद, वार्ड संख्या 52 हवेलिया

––हमारी भी सुनें––

कर का नोटिस विद्यालयों व पंजीकृत संस्थाओं को भी भेजा गया है जबकि उनको टैक्स के बाहर रखा जाता है। मनमाने तरीके से आपत्तियों पर विचार किए बगैर ब्याज सहित हाउस टैक्स जमा कराने को कहा जा रहा है।– डॉ. विजयानन्द

विस्तारित क्षेत्र वाले भेदभाव के शिकार हैं। यहां ना तो सीवर है, ना ही शुद्ध पानी। सफाई का अभाव है। अब सभी को टैक्स भी देना पड़ रहा है। बिना समुचित विकास किए बगैर टैक्स का नोटिस लोगों के साथ अन्याय है।––धीरेंद्र सिंह

टैक्स नोटिस में कई लोगों के नाम गलत हैं। मकान का मनमाना क्षेत्रफल दिखाकर गृहकर का नोटिस भेज दिया गया है। बंद एवं अर्धनिर्मित मकानों का भी टैक्स मनमाने तरीके से लगाकर भेजा गया है जिससे लोग परेशान हैं।––अमरेंद्र तिवारी

नालियां चोक हैं, बरसात से पहले सफाई न होने से पानी सड़क पर बहता है जिससे सड़कें व नालियां टूट जाती हैं। सफाई के अभाव में गंदगी से लोग परेशान हैं। दवा का छिड़काव और फागिंग न हुई तो बीमारी फैल सकती है।–– माता शंकर शुक्ला

अर्ध निर्मित मकानों का भी टैक्स आया है। बहुत से निर्माणाधीन मकान बंद पड़े हैं वह भी टैक्स के दायरे में आ गए हैं। लोगों की आपत्तियों पर विचार किए बगैर टैक्स की वसूली अन्यायपूर्ण कार्यवाही है। – अरुण कुमार सिंह

बिजली फाल्ट होने पर अगर शिकायत करने जाएं तो लाइनमैन बगैर पैसा लिए काम नहीं करते और कहते हैं कि हम संविदाकर्मी हैं। मेला के बाद बिजली रुलाने लगी है, स्ट्रीट लाइटें भी नहीं जलती।– केदारनाथ तिवारी

70 फीसदी लोगों ने पानी का कनेक्शन लिया हुआ है पर उनके घरों में मेन लाइन से नल का कनेक्शन अब तक नहीं किया गया। लोगों के पास दो ही विकल्प है या तो बोरिंग कराएं या फिर पानी खरीद कर उपयोग करें।– सत्येंद्र तिवारी

- सीवर लाइन न होने से गंदा पानी सड़कों पर आ जाता है।
- अभी तक जलापूर्ति की पुख्ता व्यवस्था नहीं की जा सकी है।
- क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के कारण गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है।
- नाले नालियां चोक हैं। सफाई कर्मी नियमित नहीं आते।
- सड़कों एवं गलियों का निर्माण न होने से आवागमन में परेशानी होती है।
- अड़ार पुलिया पर रेलिंग न होने से हादसा हो सकता है।
- पूरे इलाके में सीवर लाइन बिछाकर उसे मुख्य लाइन से जोड़ा जाय।
- पानी की पाइप लाइनों को बिछाने का काम पूरा कर जलापूर्ति की जाए।
- क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को चिह्नित कर मरम्मत की जाए।
- चोक नाला नालियों की सफाई कर दवा का छिड़काव कराया जाए।
- सड़क व गलियों में इंटरलाकिंग का काम पूरा कराया जाए।
- अड़ार पुलिया पर अविलंब रेलिंग लगाई जाय।

गर्मी में एयर कंडीशन से रहे सावधान, कहीं आग न लग जाए!

प्रयागराज। तापमान में बढ़ोतरी के साथ कूलर और एयर कंडीशन का भी इस्तेमाल बढ़ गया है। हालांकि थोड़ी सी लापरवाही एसी बम बन सकता है।

अग्निकांड की रोकथाम के लिए फायर ब्रिगेड ने जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। डीजीपी अग्निशमन पद्मजा चौहान के निर्देश पर पंफ्लेट छपवाकर जन–जन को वितरित करने की योजना बनाई गई है।

अग्निशमन विभाग ने 'सावधानी अपनाएं, गर्मी को सुरक्षित बनाएं स्लोगन के साथ अभियान की शुरुआत की है। घरों में किस तरह की सावधानी बरतें, ताकि आग लगने की गुंजाइश कम हो सके। इस बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए जागरूकता पंफ्लेट छपवाकर वितरित किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया पर भी जागरूकता पंफ्लेट को शेयर व पोस्ट किया जा रहा है। पंफ्लेट में बकायदे अपर पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपात सेवा) पद्मजा चौहान की फोटो के साथ ही सतर्क रहने का संदेश व पांच सावधानियां दर्शायी गई है।

पंफ्लेट में इन बिंदुओं पर जागरूकता संदेश :

- ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत में ही सभी एसी की सर्विसिंग करवा लें।
- एसी का आउटडोर यूनिट हमेशा खुली व छायादार स्थान पर लगाएं।
- एसी में टाइमर का प्रयोग करें, जिससे यह स्वतः एक नियमित अंतराल पर बंद हो जाए।
- एसी के लिए अलग से सॉकेट होना चाहिए, उसी सॉकेट में अन्य भारी उपकरण न चलाएं।
- स्टेबलाइजर कमरे के पर्दे, सोफे व अन्य ज्वलनशील पदार्थों से दूर लगाएं।

बालसन चौराहे के समीप एक शोरूम में एसी ब्लास्ट होने से भीषण आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड ने 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकला था। साथ ही अथक प्रयास कर शोरूम में लगी आग को बुझाया था। दमकल की छह गाड़ियां आग बुझाने में लगाई गई थी। इसके अलावा हर साल एसी की वजह से आग लगने की छोटी घटनाएं होती रहती है।

हर साल एयर कंडीशन की डिमांड बढ़ती जा रही है। हालांकि एसी का इस्तेमाल करने से पहले थोड़ी सावधानी बरतनी भी जरूरी है। लापरवाही खतरनाक हो सकती है। अग्निशमन विभाग की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। –डॉ आरके पांडेय, सीएफओ अग्निशमन।

गर्मी में रुलाएगी बिजली, 54 स्थानों पर काम अभी भी अधूरा

प्रयागराज। इस बार अधिक गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। ऐसे में अगर बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बिजली विभाग ने भले ही तैयारियों का दावा किया हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। बिजनेस प्लान 2024–25 के तहत चल रहे बिजली सुधार कार्य अभी भी 54 स्थानों पर अधूरे हैं। कहीं जर्जर तार बदले जाने बाकी हैं तो कहीं ओवरलोड की समस्या से निपटने के लिए लोड बढ़ाना बाकी है। यदि ये कार्य समय पर पूरे नहीं हुए, तो गर्मी बढ़ने पर ट्रांसफॉर्मर फुंकने की घटनाएं आम हो जाएंगी। इस परियोजना के तहत प्रयागराज के फेज–एक और फेज–दो क्षेत्रों में कुल 70 किलोमीटर में तार बदलने और लोड बढ़ाने का कार्य प्रस्तावित है। नैनी के टीएसएल उपकेंद्र में अंडरग्राउंड तारों को बदला जा रहा है। वहीं मेडिकल कॉलेज फीडर, पीडी पार्क फीडर और एमजी मार्ग फीडर में ओवरहेड लाइन को केबल में बदला जा रहा है। गुलाब बाड़ी, कटेहरा मन्नेदर्जी, लकड़मंडी और जीमल नगर जैसे क्षेत्रों में पुराने, जर्जर तार बदले जा रहे हैं। न्यू एमईएस से संगम चौराहा, तेलियरगंज उपकेंद्र से एसबीआई तक, और टीबी कॉलोनी पुलिस चौकी क्षेत्र में ओवरलोडिंग की समस्या है, जहां लोड बढ़ाने की योजना बनाई गई है। हाल के दिनों में करेली और कालिंदीपुरम क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर जलने की घटनाएं हो चुकी हैं। चीफ इंजीनियर प्रमोद सिंह स्वयं जीपीएस तकनीक के माध्यम से कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। पोल लगने के बाद उनकी फोटो जीपीएस टैगिंग के साथ शेयर की जा रही है ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

राज्य विवि में बनी 150 करोड़ की अक्षय निधि

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय ने 150 करोड़ रुपये की लागत से अक्षय निधि स्थापित की है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और इनोवेशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। अक्षय निधि से कैंपस के गरीब शोधार्थियों को स्कॉलरशिप दी जा रही है। यह अक्षय निधि विशेष रूप से उन छात्रों के लिए बनाई गई है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। इस निधि से राज्य विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। नए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। राज्य विश्वविद्यालय में अब तक आधा दर्जन से ज्यादा कार्यों के लिए अक्षय निधि स्थापित कर ली गई है। इसमें सबसे ज्यादा डेवलपमेंट फंड के लिए 50 करोड़ रुपये की अक्षय निधि बनाई गई है। इस निधि से कैंपस में भवन निर्माण से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम होगा। शोध के लिए 10 करोड़ और इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) सेंटर के लिए 10 करोड़ रुपये की अक्षय निधि तैयार की गई है। गरीब छात्रों के स्कॉलरशिप के लिए पांच, इन्क्यूवेशन सेंटर के लिए 15 करोड़, लाइब्रेरी के लिए 15 करोड़, लर्निंग रिसोर्स के लिए 10 करोड़ समेत अन्य के लिए अक्षय निधि स्थापित कर ली गई है। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि अब तक 150 करोड़ रुपये की अक्षय निधि राज्य विश्वविद्यालय में स्थापित कर ली गई है। तैयारी यह है कि अक्षय निधि पांच सौ करोड़ रुपये की होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय, सरकारी अनुदान, कॉर्पोरेट क्षेत्र से रुपये कलेक्ट किए गए हैं। इसके अलावा निधि बढ़ाने के लिए अन्य क्षेत्रों से भी रुपये जुटाए जाएंगे।

निहारिका वेंचर्स कंपनी ने अधिवक्ता से ठगा 4.67 करोड़

प्रयागराज। निहारिका वेंचर्स कंपनी ने रियल एस्टेट में निवेश के नाम पर लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। कंपनी के मालिक, उसका परिवार व कई एजेंट जेल में बंद हैं। वहीं, पीड़ितों की ओर से लगातार कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने कंपनी पर 4.67 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए सिविल लाइंस थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। अल्कापुरी कॉलोनी सीएसपी सिंह मार्ग निवासी अधिवक्ता धर्मेंद्र कुमार शुक्ला की तहरीर के अनुसार, मार्च 2022 में अयोध्या निवासी अन्वेश मिश्रा ने खुद को निहारिका वेंचर्स कंपनी का एजेंट बताते हुए संपर्क किया। उन्होंने कंपनी के रियल एस्टेट में निवेश करने पर प्रतिमाह सात से आठ फीसदी मुनाफा मिलने का दावा किया। अन्वेश मिश्रा के कहने पर कंपनी के मालिक अभिषेक द्विवेदी के गोविंदपुर आवास पर बैठक हुई। इसमें अभिषेक द्विवेदी, उसके पिता सेवानिवृत्त डिप्टी सीएमओ डॉ. ओपी द्विवेदी, पत्नी निहारिका द्विवेदी, सास निरूपमा मिश्रा, अन्वेश मिश्रा व नरेंद्र सिंह नेगी सहित अन्य लोग मौजूद थे। उन्होंने प्रयागराज, नोएडा व अयोध्या में कंपनी के 100 एकड़ जमीन होने का दावा किया।

संतो की वर्षो की तपस्या का फल हैं मोदी और योगी का शासनः सतीश महाना

मोरना। शुकतीर्थ के प्रसिद्ध हनुमतधाम आश्रम में जारी हनुमान जयंती महोत्सव कार्यक्रम में शुक्रवार को संत सम्मेलन में अनेक संतों ने श्रीराम भक्त हनुमान की महिमा का वर्णन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भाग लेकर पूजा अर्चना की व संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। विधानसभा अध्यक्ष ने हनुमान जी की मूर्ती पर सोने का छत्र चढ़ाया। इस दौरान तीर्थनगरी में सुरक्षा के लिये भारी पुलिस बल तैनात रहा।

वहीं शुकदेव आश्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष पूजा अर्चना में भाग लिया।

हनुमत धाम में आयोजित ज्ञान गुण सागर कार्यक्रम का शुभारम्भ हनुमान जी के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अथिति सतीश महाना ने कहा कि संतो ने सनातन संस्कृति का संदेश अनंत समय से विश्व को दिया है। सनातन संस्कृति मनुष्य को जीवन पद्धति सिखाती है। हमारे यहां किसी से द्वेष नहीं दिखाया जाता है, जिस प्रकार नदियां समुद्र में मिल जाती हैं। वैसे ही सनातन संस्कृतियों का मूल है। यह पीएम और सीएम कोई ऑवरनाईट नहीं है यह तो संतों की वर्षों की तपस्या का फल मोदी व योगी का शासन है। विश्व कल्याण और वासुदेव कुटुंबकम का संदेश सनातन देता है। 140 करोड़ की आबादी वाला देश सुख शांति से आगे बढ़ रहा है तो यह अदृश्य शक्तियों के कारण है और एक दिन इसी संदेश से पूरा विश्व प्रेरणा लेगा। योग्यता पद का आधार नहीं होती है। योग्यता से पद व सम्मान मिलेगा यह तो भर्म है। अनेक व्यक्ति योग्य होते हैं। पद संतों की कृपा से मिलता है। वह संतो की कृपा से ही आज इस पद पर हैं।संतो का आदर सम्मान सर्वोपरि है। शुकतीर्थ की पावन भूमि पर संतो का सानिध्य प्राप्त होना बड़े सौभाग्य की बात है।

महामंडलेश्वर स्वामी केशवानन्द सरस्वती महाराज ने कहा की हनुमान जी कृपा से जीवन धन्य होता है। हनुमान जी की भक्ति से मन प्रभुभक्ति में दृढ होता है तथा आत्मिक बल मिलता है।

महामंडलेश्वर विश्वरेश्वरानंद महाराज ने कहा कि सम्पूर्ण ज्ञान प्रभु हनुमान में विद्यमान है। ज्ञान प्राप्त करने के लिए हनुमान की स्तुति करें। तो ही शीघ्र ज्ञान प्राप्त होगा।

सर्वेशपरपन्ना महाराज ने कहा कि हनुमान जी ज्ञान और गुण के सागर है। ब्रह्मस्वरूपानन्द महाराज ने कहा कि संतों कुछ देर का सानिध्य एक युग के समान होता है।

गीतानंद गिरि ने कहा कि हनुमान जी ने इंद्रियों पर विजय प्राप्त किया और महावीर हो गये।

शिवचन्द्रानन्द गिरि ने कहा कि ज्ञान के साथ युक्ति बहुत जरूरी है।

अनंतानंद सरस्वती ने कहा कि हनुमान जी ने बाल्यकाल में ही सूर्य का भक्षण कर लिया था। अपार शक्तियों के स्वामी हनुमान जी महाराज की भक्ति शरीर में बल प्रदान करती है। कथा में आने के उपरांत अगर सो गये तो आपने बहुत कुछ खो दिया।

चेतन गिरि ने कहा कि महाकुम्भ में सनातन धर्म की आस्था उमडी।

ध्रुवानंद महाराज ने कहा कि सहस्रों मुख होने पर भी हनुमान जी की महिमा का बखान नहीं किया जा सकता।

अक्षरानंद महाराज ने कहा हनुमान भगवान श्रीराम के परम भक्त होने के साथ साथ परम सेवक भी हैं।

जगदगुरू विजयदास महाराज सत्य का ज्ञान सत्य की साधना चाहते हो तो हनुमान जी की संस्तुति करो। ज्ञान की प्रकाष्ठा हनुमान जी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी आनंद चौतन्य सरस्वती महाराज ने की व संचालन आदित्य पुरी महाराज ने किया। इसके अलावा आर के टंडन, महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज, स्वामी विज्ञानंद महाराज, स्वामी प्रेमानंद पुरी महाराज, स्वामी शिव प्रेमानन्द महाराज, स्वामी रूपानंद महाराज, स्वामी देवेंद्रानन्द गिरी महाराज, स्वामी विद्या गिरी महाराज, स्वामी अमिता भारती महाराज, स्वामी चंद्रशेखरानन्द महाराज, स्वामी भास्करानन्द महाराज, स्वामी शारदा गिरी महाराज, स्वामी चंद्रशेखर गिरी महाराज, रविन्द्र पुरी महाराज, शंकर पुरी महाराज, सीताराम शास्त्री आदि ने भी अपने सम्बोधन में हनुमान जी भक्ति प्रकाश डाला।

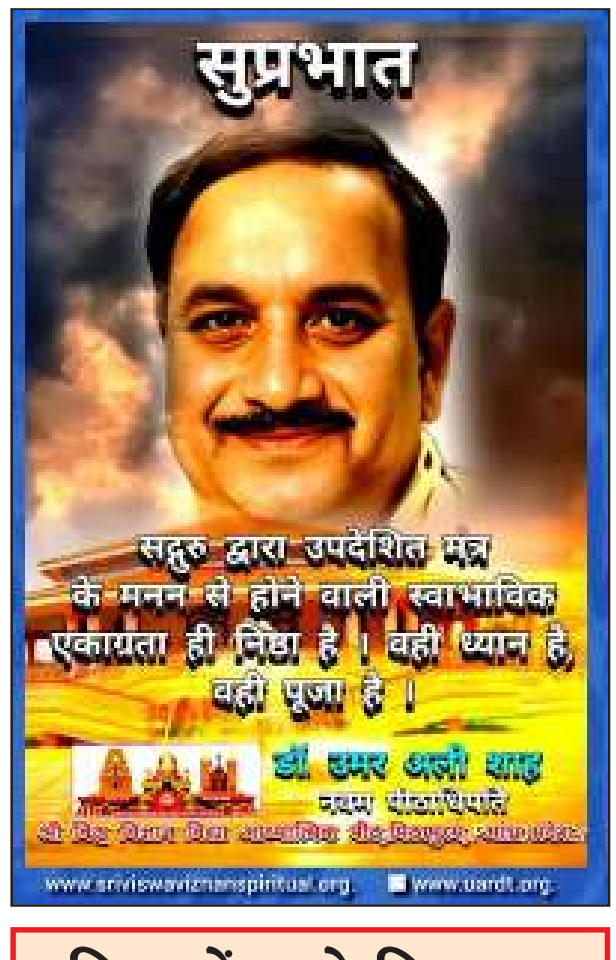

दिल में भरो मिठास

(कुण्डलिया)

खट्टे–मीठे सन्तरे, केला सेब अनार।
चला रहे बाजार में,मिली–जुली सरकार।
मिली–जुली सरकार,अकेला आम विपक्षी।
रण में उतरा आज,पहन कर केवल कच्छी।
सुन लो कहें प्रदीप, आम के आगे फीके।
फिर भी हैं सरदार, स्वाद में खट्टे–मीठे।।

आम सिखाता है यही,जियो सदा बन आम।
खुशहाली जग में रहें,करो नेक कुछ काम।
करो नेक कुछ काम,उतारो राजा– चोला।
सुनना सबकी बात,साधु ने हँसकर बोला।
सुन लो कहें प्रदीप,नेकदिल राह दिखाता।
दिल में भरो मिठास,सभी को आम सिखाता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तथ्यपरक साक्ष्यों के अभाव में इतिहासलेखन असंभव

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग में कल दिनांक 11 अप्रैल, 2025 को "प्राचीन भारत में नगरीकरण" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यान में प्रमुख वक्ताधविषय विशेषज्ञ प्रो० ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्राचीन इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज थे। प्रो० श्रीवास्तव ने प्राचीन भारत में नगरीकरण के सन्दर्भ में इतिहास लेखन में की गयी त्रुटियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इतिहासकारों में शब्दों के अर्थ में मतविभिन्नता होने पर इतिहास लेखन प्रभावित हुआ है। उन्होंने ग्राम, पुर, निगम तथा नगर इत्यादि पर बृहत् प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी शान्त किया। उन्होंने बताया कि प्रथम नगरीकरण तथा द्वितीय नगरीकरण पर इतिहासकारों ने पर्याप्त इतिहासलेखन किया है लेकिन पूर्व मध्यकालीन इतिहासलेखन की उपेक्षा की गई है। उन्होंने बताया कि इतिहासकार कहते है कि पूर्व मध्यकाल में नगरों का पतन हुआ लेकिन यहाँ पतन का अर्थ क्षय से है पूर्ण पतन से नहीं अर्थात पूर्व मध्यकाल में नगरों का प्राचीन काल की अपेक्षा क्षय हुआ मतलब व्यापार वाणिज्य प्रभावित हुआ तथा भवनों की गुणवत्ता प्रभावित हुई। प्रो० श्रीवास्तव ने इतिहासलेखन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इतिहास लेखन में साक्ष्यों को प्राथमिकता देना चाहिए। इसलिए इतिहासलेखन में विचारधाराओं से परे होकर पक्षपात रहित होकर इतिहासलेखन करना होगा। प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राज कुमार गुप्त ने भी इतिहासलेखन के लिए साक्ष्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि प्रो. श्रीवास्तव को सुनना अपने आप में इतिहास है सर जिस प्रकार से तथ्यों को आधार में रखकर अपनी बातों को रखते हैं इतिहास के विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। डॉ. प्रशान्त सिंह, सहायक आचार्य ने विषय प्रवर्तन किया उन्होंने नगरीकरण से विद्यार्थियों को परिचित करवाया। डॉ. मनोज कुमार वर्मा, सहायक आचार्य ने औपचारिक धन्यवाद देते हुए इस बात पर जोर दिया कि साक्ष्यों के अभाव में इतिहासलेखन नहीं किया जा सकता। साक्ष्यों के अभाव में जो भी लिखा गया वह इतिहास की श्रेणी में नहीं आता। इस कार्यक्रम में विभाग के स्नातक, परास्नातक के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. राजकुमार गुप्त ने सूचित किया कि दिनांक 12 अप्रैल 2025 को प्रातः 11 बजे से कला विदुषी प्रो० अनामिका रॉय, प्राचीन इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया जायेगा। जिसमें सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

रज्जू विश्वविद्यालय में अन्तर्विश्वविद्यालयीय भाषण प्रतियोगिता

प्रयागराज। राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी जी के निर्देशानुसार प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह जी के मार्गदर्शन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 11 अप्रैल 2025 को तृतीय चरणके अंतर्गत अन्तर्विश्वविद्यालयीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता द्वितीय चरण में चयनित विद्यार्थियों के मध्य विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित की गई, जबकि चतुर्थ चरण की प्रतियोगिता राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में राजभवन में संपन्न होगी।

इस तृतीय चरण की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के चयनित छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को डॉ. अंबेडकर के विचारों, संविधान निर्माण में उनके योगदान तथा विकसित भारत की दिशा में उनके दृष्टिकोण को समझने व प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना था।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक महान विचारक, समाज सुधारक और शिक्षाविद् के रूप में विख्यात हैं। डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय, समानता और समरसता के आदर्शों से परिपूर्ण है, जो आज की पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे डॉ. अंबेडकर के विचारों और जीवन मूल्यों को न केवल समझें, बल्कि उन्हें अपने आचरण में उतारते हुए समाज में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन लाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम के समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ छात्रों में आत्मविश्वास, चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करती हैं। सह–समन्वयक डॉ. गौतम कोहली एवं डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम संचालन करते हुए आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत किया और प्रतिभागियों को बताया कि यह प्रतियोगिता युवाओं को डॉ. अंबेडकर के विचारों से जोड़ने का एक प्रयास है।अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने डॉ. अंबेडकर के संविधान निर्माण संबंधी योगदान की अद्वितीयता पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. राजकुमार गुप्ता, कुलानुशासक ने अंबेडकर जी के जीवन को ज्ञान, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक बताया।

प्रतियोगिता में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ, डॉ. शकुन्तला देवी विश्वविद्यालय लखनऊ, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज से चयनित 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान कंचन गौतम– डॉ. शकुन्तला देवी विश्वविद्यालय एवं द्वितीय स्थान स्नेहा– प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी,डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ.अतुल कुमार वर्मा एवं डॉ. अजीत सिंह ने निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे,जिनमें डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. श्वेता कुमारी, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. माहेरूख खान, डॉ. मनीष कुमार यादव व डॉ. विवेक अग्रहरी प्रमुख हैं। अन्त में डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम की सफलता में विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से प्रिंस, नितीश, दिव्या, शिवानी, निधि एवं श्रेया का योगदान उल्लेखनीय रहा।

जनता के सुख दुख के साथी चेयरमैन पुरकाजी ने गरीबों और जनता को दी नयी सुविधा

मुजफ्फरनगर। जनता के सुख दुख में खड़े रहने वाले चेयरमैन जहीर फारूकी ने गरीब जनता के लिए एक ऐसी पहल की है जिसकी मिसाल दूर तक दिखाई नही देती। जनता का हर समय ध्यान रखने वाले जहीर फारूकघी की निगाहों में गरीबों और आमजन की एक ऐसी समस्या आई जो दिखती तो शायद सभी को है लेकिन कोई उसके समाधान पर ध्यान नहीं देता है गरीबों और आमजन के यहां मौत होने पर बैठने को लेकर कुर्सियों की बहुत बड़ी समस्या रहती है। बस इसी दिकघ्कघ्त को लेकर चेयरमैन सजग हुए तो गरीब जनता को आज एक नई

सौगात मिली। चेयरमैन जहीर फारुकी ने बताया कि मैंने अक्सर देखा कि गरीब परिवारों के यहां मौत हो जाने पर पीड़ित परिवार किराये पर कुर्सियां तक नहीं मंगा पाते।वैवाहिक सीजन चलने टेंट हाउस वालो के यहां भी कुर्सियां नहीं मिल पाती। ऐसे में आम जनता दुख की घड़ी में भी बहुत परेशान होती है इस समस्या के समाधान को लेकर हमने पीड़ित परिवार (जिनके यहां निधन हो जाता है) को नगर पंचायत पुरकाजी की ओर से निःशुल्क कुर्सियों की सुविधा दी है। वार्ड मेंबर के माध्यम से पीड़ित परिवार कुर्सियां ले सकते है। इससे पहले भी चेयरमैन ने अंतिम संस्कार में देरी होने पर शव को सुरक्षित रखने के लिए जनता को डैडबॉडी फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध कराई थी। जिसकी दूर दूर से भी मांग आती है। अन्य सराहनीय कार्यों में पुरकाजी में लड़कियों की शादियों के मौके पर फ्री पानी के टैंकर की सुविधा दी जाती है। चेयरमैन जहीर फारुकी का कहना है कि सरकार जनता की सुविधाओं के लिए बहुत धन देती है। मेरा लक्ष्य यही रहता है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी नगर पंचायत की ओर से हमेशा मदद होती रहे। इस मौके पर सभासद आजाद फरीदी, सुलेमान, इस्तखार उर्फ लाल्ला, आलम मेंबर आदि लोग मौजूद रहे।

मोक्षदा जल धारा से जुड़ी ग्राम पंचायतों से लोकपाल ने किया संवाद

ग्राम सभाओं में बनेगी मोक्षदा जल धारा के पुनर्जीवन की योजना

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने जनपद की अति प्राचीन जल धारा मोक्षदा (मोछहा का नार) के प्रबन्धन व संरक्षण हेतु संबंधित ग्राम पंचायतो के साथ संवाद किया। ग्राम पंचायतो ने तय किया की ग्राम सभा की बैठक करके धारा के प्रबन्धन व संरक्षण हेतु योजना बनाई जायेगी। वहीं मोक्षदा विकास समिति के प्रमुख कार्यकर्ताओ ने अपनी राय व सुझाव प्रस्तुत किया।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित सभागार में सड़वा चंद्रिका ब्लाक व मंगरौरा ब्लाक के संबंधित ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव , रोजगार सेवक व तकनीकी सहायको के साथ मोक्षदा जल धारा के संदर्भ में संवाद किया गया।

सर्व प्रथम मोक्षदा विकास समिति के संयोजक श्लोक मिश्र ने सभी का स्वागत करते हुए अभी तक के सरकारी व स्वैछिक कार्यो पर प्रकाश डाला। नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारी शिवम यादव ने मोक्षदा जल धारा के पुनर्जीवन से स्थानीय समाज के साथ साथ जनपद का गौरव बढ़ा सकेगी। लोक भारती के जिला संयोजक डी के शर्मा ने मोक्षदा जल धारा के किनारे सभी ग्राम पंचायत में हरि शंकरी के पौध रोपण किये जाने का संकल्प व्यक्त किया।

संवाद में तय हुआ की 19 अप्रेल को सड़वा चंद्रिका ब्लाक के कमास ग्राम पंचायत मे ग्राम सभा की बैठक होगी। वहीं मंगरौरा ब्लाक के ग्राम पंचायत सूर्यगढ़ में 21 अप्रेल को, औरंगाबाद ग्राम पंचायत में 23 अप्रेल को तथा नरहर पुर ग्राम पंचायत में 24 अप्रेल को ग्राम सभा की बैठक करके समग्र विचार करके कार्य योजना का निर्माण किया जाना तय हुआ। प्रधानो ने अवगत कराया की जल धारा में भूमि संरक्षण विभाग व लघु सिचाई विभाग द्वारा भी कुछ योजना प्रस्तावित है जिस पर तय हुआ की ग्राम सभा की बैठक में संबंधित विभाग की भी सहभागिता खंड विकास अधिकारी के माध्यम से अवश्य कराई जाए।

बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय स्वयम् सेवक संघ के प्रमुख कार्यकर्ता कार्तिकेय द्विवेदी, युगेश तिवारी, दुर्गेश तिवारी, प्रधान औरँगाबाद के प्रधान संजय यादव, सचिव संजय शुक्ल, तकनीकी सहायक राज कुमार, प्रधान कमास राम बरन मौर्य, सचिव उत्तम पटेल, तकनीकी सहायक विजय कुमार, सूर्यगढ़ ग्राम के सचिव सचिन सिंह, तकनीकी सहायक संतोष सिंह तथा नरहरपुर के सचिव व तकनीकी सहायक शामिल थे।

मप्र की ही भांति यूपी में भी गन्ने का समर्थन मूल्य 2600 प्रति कुंतल करने का प्रयास करेगा इंडियन किसान यूनियनः रामकुमार

मुजफ्फरनगर/खतौली। उत्तराखंड के पूर्व राज्य मंत्री एवं इंडियन किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रामकुमार वालिया ने एक वार्ता के दौरान कहा कि गन्ने का समर्थन मूल्य मध्य प्रदेश की भांति ही उत्तर प्रदेश में भीघ्2600 प्रति कुंतल करने का प्रयास हमारा संगठन इंडियन किसान यूनियन करेगा। इस संबंध में यूनियन की तरफ से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शीघ्र ही एक पत्र भेजा जाएगा। आवश्यकता पड़ी तो यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर भी इस संबंध में वार्ता करेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग तीन करोड़ किसान तथा खेती से जुड़े हुए मजदूर जिनकी आय का मुख्य स्रोत खेती किसानी ही है। उन्होंने सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश में किसानों की पूरी फसल का बीमा प्रदेश में केंद्र सरकार को कराना चाहिए। जिससे दैविय आपदा आने पर किसान की फसल का मुआवजा बीमा कंपनी से किसानों को दिलाया जा सके। चौधरी रामकुमार वालिया जनपद के ग्राम तिसंग में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। उससे पूर्व मुजफ्फरनगर आगमन पर भोपा चौक पर इंडियन किसान यूनियन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। इसके उपरांत ग्राम तिसंग में भी कई स्थानों पर चौधरी रामकुमार वालिया का सर्व समाज के लोगों ने स्वागत किया। कई समस्याओं से उनको अवगत कराया।

जिला पंचायत अध्यक्ष के आवास पर पहुंचे सतीश महाना

भोपा। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल के आवास पर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत किया गया जहां जिला पंचायत अध्यक्ष ने उन्हें मां गंगा की मूर्ती व ग्रंथ व रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया तथा शॉल पहना कर सम्मान किया जिला पंचायत अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष के संग क्षेत्र के विकास को लेकर विचार विमर्श किया इस दौरान मन्त्री कपिल देव अग्रवाल,सांसद चंदन चौहान, विधायक मिथलेश पाल, राम कुमार शर्मा, मंडल अध्यक्ष अरुणपाल, संजय कौरी,प्रदीप निर्वाल,अशोक कंसल आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतरू निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने का मन बना लिया है। यह तार्किक ही कि आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच मंदी के प्रभाव को टालने के लिये अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने का सहारा लिया जाए। केंद्रीय बैंक को अहसास है कि टैरिफ टकराव से घरेलू विकास दर प्रभावित हो सकती है। साथ ही निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में सकारात्मक स्थिति यह है कि दुनिया में कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है, जिससे सरकार को महंगाई को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

अहमदाबाद में मजबूती पाती कांग्रेस

डॉ. दीपक पाचपोर

केन्द्र में तीन बार से और 18 राज्यों में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के साथ सतत लड़ती हुई कांग्रेस का संदेश साफ है कि वह लोकतंत्र की रक्षा में पीछे नहीं हटेगी।

गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में बुधवार को समाप्त हुई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की दो दिवसीय बैठक संगठन को कई कारणों से मजबूती प्रदान करेगी। इस राज्य की विधानसभा में वह 17 सीटों के साथ क्षीण विपक्ष की भूमिका निभा रही है और लोकसभा में भी उसका यहां से एकमात्र प्रतिनिधि है। फिर भी महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मभूमि होने के कारण गुजरात उसके लिये प्राण वायु का काम करती रही है। हालांकि जब से गुजरात में नरेन्द्र मोदी का उद्भव हुआ है और बाद में उन्हें अमित शाह का साथ मिला, कांग्रेस इस राज्य में लगातार पिछड़ती गयी है। इसके बावजूद उसने अपने 84वें अधिवेशन के लिये गुजरात को चुनकर मजबूत इरादे जाहिर किये हैं। केन्द्र में तीन बार से और 18 राज्यों में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के साथ सतत लड़ती हुई कांग्रेस का संदेश साफ है कि वह लोकतंत्र की रक्षा में पीछे नहीं हटेगी। अधिवेशन में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण के जरिये जहां स्पष्ट किया कि कांग्रेस अपनी विरासत की रक्षा के प्रति सतर्क है और वह इस पर किसी अन्य का अधिकार नहीं होने देगी, वहीं राहुल गांधी का उद्बोधन बतलाता है कि अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित वर्गों की आवाज वह उठाती रहेगी। खड़गे ने कांग्रेस के नेतृत्व में छेड़े गये स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के कई पन्ने पलटते हुए भाजपा की कलई खोलकर रख दी। उन्होंने अनेक दृष्टांत उद्धृत करते हुए भाजपा और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बतलाया कि जिन भाजपा–संघ के पास आजादी की लड़ाई में अपने योगदान के रूप में दर्शाने के लिए कुछ भी नहीं है, वे ही स्वतंत्रता संग्राम की विरासत पर दावा कर रहे हैं जो हास्यास्पद है। उन्होंने यह विसंगति भी सामने लाई कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत थी, परन्तु उन पर भी भाजपा अपना दावा करती है। दरअसल वह पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विरोध में पटेल को खड़ा कर रही है। भाजपा सरदार पटेल और नेहरू को एक–दूसरे के खिलाफ दिखाने की साजिश करती है जबकि सच्चाई यह है कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू थे। खड़गे का आरोप था कि भाजपा और संघ परिवार के लोग गांधी से जुड़ी तमाम संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं और उन्हें विपरीत विचारधारा के लोगों को सौंप रहे हैं। उन्होंने वाराणसी में सर्व सेवा संघ, गुजरात विद्यापीठ आदि के उदाहरण दिये जिनमें आज गांधी विरोधी लोग प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। उनका कहना था कि गांधीवादी और सहकारी आंदोलन के लोगों को हाशिए पर रखा जा रहा है। उन्होंने तंज कसा कि ऐसी सोच रखने वाले गांधीजी का चश्मा चुरा सकते हैं और छड़ी मार सकते हैं लेकिन उनके आदर्शों का पालन नहीं कर सकते।श उन्होंने भाजपा–संघ पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार करने का भी आरोप लगाया जिसका 140 वर्षों का देश–सेवा और स्वतंत्रता की लड़ाई का इतिहास है। राहुल गांधी ने जो कहा वह उनके हालिया विमर्श का ही एक तरह से पुनर्प्रस्तुतीकरण था। पिछले दिनों उन्होंने यह ईमानदार स्वीकारोक्ति की थी कि कांग्रेस ने अन्य पिछड़े वर्गों की उपेक्षा की जिसके कारण उसकी यह स्थिति हुई है। अधिवेशन में उन्होंने इसे पुनर्प्रतिपादित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वक्त से हम दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण में उलझे रहे और ओबीसी हमारा साथ छोड़ गया। हम मुस्लिमों की बात करते हैं, इसलिए हमें मुस्लिम परस्त कहा जाता है। हमें ऐसी बातों से डरना नहीं है। मुद्दे उठाते रहने हैं। राहुल का बयान बताता है कि भाजपा–संघ के इस तरह के आरोपों से वह विचलित होने वाली नहीं है। लोकसभा में वे कह ही चुके हैं कि वे पिछड़ों की बात उठाते हैं इसलिये उन पर हमले होते हैं। याद हो कि अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि जिसकी अपनी जाति का पता नहीं वह जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। उदयपुर (राजस्थान) में मई 2022 और रायपुर (छत्तीसगढ़) में फरवरी 2023 में हुए सीडब्ल्यूसी अधिवेशनों के परिप्रेक्ष्य में अहमदाबाद सम्मेलन को देखें तो कुछ बातें साफ होकर सामने आती हैं। पहली तो यही कि 2022 और 2023 के अधिवेशन जिन राज्यों में हुए थे वहां कांग्रेस की सरकारें थीं जो 2023 के अंत में हुए चुनावों में जाती रहीं, जबकि गुजरात भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ है। यह एक तरह से मोदी–शाह को ललकारने जैसा है। कह सकते हैं कि राहुल जो श्डरो मतश का नारा देते हैं, उसे आगे बढ़ाने के लिये ही गुजरात में यह अधिवेशन आयोजित किया गया था। दूसरे, राजनीति में धर्म को लेकर जो ऊहापोह कांग्रेस में थी, वह भी अब जाती दिखी। वैसे भी 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी ताकत दोगुनी हुई है जो यह बतलाता है कि धीमे–धीमे ही सही लेकिन कांग्रेस के विमर्श को जन स्वीकृति मिल रही है। सब कुछ एक ही अधिवेशन में तो तय होने से रहा, परन्तु उदयपुर से अहमदाबाद तक की कांग्रेस की यात्रा देखें तो उसका नैरेटिव व एजेंडा पहले के मुकाबले लगातार मजबूत होता जा रहा है। यदि किसी की शिकायत हो कि उसकी गति धीमी है, तो उसे यह ख्याल में रखना होगा कि उसकी लड़ाई किससे है। धर्म व नफरत पर आधारित भाजपा चुनाव जीतने के हर तरह के पैंतरे अपनाती है। फिर, कांग्रेस की लड़ाई दो–दो मोर्चों पर है– पहली तो भाजपा व संघ से और दूसरी आंतरिक, यानी अपने भीतर के भाजपायी स्लीपर सेल्स से। इसके बावजूद यह सच है कि कांग्रेस को इन्हीं परिस्थितियों में आगे बढ़ना है।

अमृतकाल में आभासी करोड़पति

सर्वमित्रा सुरजन

मुसीबत थी हमारे ही लिए क्यूं। ये माना हम जिए लेकिन जिए क्यूं।।

19 वीं सदी में मिर्जा मोहम्मद हादी अजीज लखनवी के लिखे इस शेर को पढ़कर 20वीं सदी में लिखे शकील बदायूंनी के अमर गीत की पंक्तियां याद आ गईं– दुनिया में हम आए हैं तो जीना ही पड़ेगा, जीवन है अगर जहर तो पीना ही पड़ेगा। फिल्म मदर इंडिया का यह गीत जैसे आज भी करोड़ों भारतीयों की हकीकत ही है। गुलामी के लंबे दौर के बाद हम आजाद हो गए, और अब तो आजादी के अमृत महोत्सव को मनाकर आगे भी निकल चुके हैं, लेकिन जीवन के प्याले में जहर खत्म होने की जगह बढ़ता ही जा रहा है। गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है, मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है। इंसानी सभ्यता के शुरुआती दौर में सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट यानी जो सर्वाधिक योग्य रहेगा, वो बचेगा, पनपेगा, ऐसी धारणा मानी जा सकती थी, भारत की आदि संस्कृति में इसी बात को दूसरे तरीके से कहा गया है कि –श्देवो दुर्बलघातकरूश यानी भगवान भी दुर्बल को ही मारते हैं। लेकिन आज के युग में ऐसी बातें कतई स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। खासकर भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां आजादी के बाद लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया गया, जिसमें राज्य पर लोककल्याणकारी होने की जिम्मेदारी तय की गई। अगर इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया जाए तो फिर न किस्मत को दोष देने की नौबत आएगी, न गरीबी को पिछले जन्म के कर्मों का परिणाम समझकर उसे अभिशाप कहा जाएगा। आज भारत में अगर 80 करोड़ लोग गरीबी के कारण पांच किलो अनाज लेने पर मजबूर हैं तो यह सवाल सरकार से बनता है कि आखिर पांच सालों से चल रही इस योजना को और कितने साल चलाया जाएगा। कब हालात ऐसे बनेंगे कि हर हाथ को काम होगा ताकि आत्मसम्मान के साथ अपने भोजन–पानी का इंतजाम नागरिक खुद करें। अफसोस की बात है कि इस बुनियादी सवाल पर लगभग शून्य चर्चा होती है। अगर कहीं सवाल उठे तो मोदी महामानव हैं, अवतारी हैं, ऐसे कसीदे गढ़कर उन जवाबों को खारिज किया जाता है। हाल ही में भाजपा सांसद कंगना रानौत ने नरेन्द्र मोदी को अवतारी कहा है और ये अकेला या पहला उदाहरण नहीं है। जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उन्हें प्रातरूस्मरणीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। हालांकि ऐसी प्रशस्तियों से कोई इंसान वाकई भगवान का अवतार नहीं बन जाता, नरेन्द्र मोदी इंसान हैं और वहीं रहेंगे। और इंसान नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर जब बैठे हैं तो स्वाभाविक तौर पर उनसे ही सवाल किए जाएंगे कि अगर उनके शासन में लोगों को किसी भी किस्म का कष्ट है तो उन्हें दूर करने के लिए वे क्या उपाय कर रहे हैं। मगर ऐसे सवाल करने की जगह हिंदू–मुस्लिम विमर्शों में वक्त जाया किया जा रहा है, या फिर ऐसी खबरें प्रसारित–प्रचारित हो रही हैं, जिनका जनसामान्य से कोई लेना–देना नहीं है। अभी पिछले साल मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी के पहले के भव्य जलसे और बाद में शादी की धूमधाम कितने वक्त तक मीडिया में छाई रहीं ये पाठकों को याद होगा। फिर उन्हीं अनंत अंबानी के निजी जंगल वनतारा पर ऐसी खबरें बनने लगीं, हालंकि यहां भी जो सवाल उठाया जाना चाहिए था कि कैसे किसी व्यक्ति को जंगल बनाकर उसमें जंगली जानवरों को पालतुओं की तरह रखने की छूट दी गई, वो लगभग गुम ही रहा। अब अनंत अंबानी की एक और खबर कई दिनों तक दिखाई जाती रही। जामनगर से द्वारकाधीश तक की पदयात्रा उन्होंने की। रोजाना लगभग 20 किमी की यात्रा अनंत अंबानी 5–6 घंटे में करते थे। एक व्यक्ति की निजी उद्देश्यों के लिए गई पदयात्रा किस तरह बाकी समाज का सरोकार बन सकती है, ये समझ से परे है। मगर पत्रकारिता के नाम पर चाटुकारों की मंडली ने इसमें कई किस्म की खबरें ढूंढ निकाली। जैसे अनंत अंबानी रोजाना हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पढ़ते हुए चलते थे। अच्छी बात है, लेकिन इस देश में करोड़ों हिंदू रोजाना ऐसे ही पाठ करते हैं, तो क्या ये खबर बन गई। फिर बताया गया कि अनंत अंबानी कुशिंग सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ हार्मोनल बीमारी से जूझते हैं, उन्हें मोटापा, अस्थमा जैसे कई रोगों की दिक्कत है। उनके अच्छे स्वास्थ्य लाभ की कामना है, लेकिन एक व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है और वो भक्ति और आस्था के साथ पदयात्रा कर रहा है, इसमें भी कौन सी खबर है। क्योंकि इस देश में करोड़ों लोग ऐसे हैं जो टीबी, अस्थमा, कैंसर, हेपेटाइटिस बी जैसी घातक बीमारियों के साथ–साथ बुखार, जुकाम आदि साधारण समझी जाने बीमारियों से भी जूझते हुए रोजाना काम करते हैं, ताकि जीवनयापन हो सके। ये काम लाव लश्कर के साथ की जाने वाली पदयात्रा से कहीं ज्यादा कठिन है। अगर घर में झाड़ू पोंछा, बर्तन करने वाली महिलाएं खुद की या बच्चों की बीमारी के कारण एक से दूसरे दिन की छुट्टी कर लें, तो लाखों कमाने वाले लोग उनके 2–3 हजार मासिक वेतन में से सौ–पचास रूपए काट लेते हैं। इस पर क्या कभी कोई खबर बनी है। पांच साल पहले लॉकडाउन के वक्त श्री मोदी ने मजबूरी में कितने लोगों को सैकड़ों किमी की पदयात्रा करने पर मजबूर कर दिया था, क्या उसे भूला जा सकता है। असली खबरें तो वहां थीं, लेकिन मीडिया में अनंत अंबानी अचानक ध्यानाकर्षण का नया किरदार बन गए हैं। इसकी असली वजह शायद आने वाले वक्त में सामने आए। वैसे मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक अवार्ड समारोह में कहा कि अब जमाना सर्वाइवल ऑफ द काइंडेस्ट का है, ये बात उन्होंने अपनी बेटी ईशा अंबानी को इंगित करके कही, ईशा को भी इस समारोह में अवार्ड मिला था। उनके मुताबिक दुनिया अब ज्यादा उदारता, सहानुभूति और सहृदयता की तरफ बढ़ रही है, इसलिए जमाना सबसे भले लोगों का है। अब पाठक खुद सोचें कि क्या वाकई ऐसा है। इजरायल गजा पर जो कहर बरपाया जा रहा है, उसकी खबरें यहां तक भी पहुंच रही हैं, मान लिया कि दूर होने के कारण लोग वहां के कष्ट को महसूस नहीं कर पा रहे। लेकिन क्या मणिपुर भी हमसे दूर है, क्या बिलकिस बानो भी हमसे दूर हैं, क्या गरीबों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, आदिवासियों पर रोजाना जो अत्याचार हो रहे हैं, वो भी किसी दूसरे ग्रह पर हो रहे हैं। लेकिन समाज को इन खबरों से अब पीड़ा कहां होती नजर आ रही है, क्योंकि समाज इन खबरों पर जब तक विचार करे, उसका ध्यान भटकाने के लिए नए मुद्दे खड़े कर दिए जाते हैं। इसलिए हत्या, बलात्कार जैसे अपराधों में बंद गुरमीत राम रहीम जैसे अपराधी को बार–बार जेल से बाहर आने की इजाजत मिल जाती है और उमर खालिद जैसे लोग बिना अपराध साबित हुए लंबे वक्त तक सलाखों के पीछे रखे जाते हैं। अभी 29 अप्रैल को डेरा सच्चा सौदा का स्थापना दिवस है, और मजे की बात है कि 13 बार फरलो पर बाहर आ चुका गुरमीत राम रहीम फिर 21 दिन के लिए बाहर है। कहने को उसे 20 साल की सजा मिली है, लेकिन असल में ये सजा के नाम पर मजाक बना कर रख दिया गया है। मीडिया में सवाल इस पर भी होने चाहिए, मगर पूरा यकीन है कि इसे दबाने के लिए फिर कोई कब्र खोदने, मजार तोड़ने जैसी धमकियों वाली खबर आ जाएगी। या फिर खड़गे जी को कांग्रेस अधिवेशन में अलग कुर्सी पर क्यों बिठाया गया और क्यों राहुल गांधी, सोनिया गांधी सोफे पर बैठे, ऐसे अनावश्यक मुद्दों पर माथापच्ची की जाएगी। भारत के आम लोग जी तो रहे हैं, लेकिन जिंदा रहना जरूरी है, केवल इसलिए जी रहे हैं, इस जीने में सम्मान, खुशी, आराम, चौन ये सिरे से गायब है। बाकी लोगों को इन भावनाओं का अहसास कराने का एक और खेल सामने आया है, मुकेश अंबानी के जियो फाइनेंस लिमिटेड ने एक नई सुविधा शुरू की है, जिसके तहत डीमैट खाते में रखे शेयर और म्यूचुअल फंड को गिरवी रखकर कर्ज लिया जा सकता है। बताया गया है कि 10 मिनट में एक करोड़ का कर्ज मिल जाएगा। तो आभासी करोड़पति होने का जश्न मनाइए और जीते जाइए।

संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करना मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती

कल्याणी शंकर

वक्फ संपत्ति संशोधन अधिनियम–2025 को लेकर काफी चिंता है, जिसे गत बुधवार को लोकसभा ने पारित कर दिया था। यह विवादास्पद विधेयक 1995 के वक्फ अधिनियम को आद्यतन करता है और केंद्र सरकार को वक्फ संपत्तियों पर ज्यादा नियंत्रण देता है। अगले दिन राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले हफ्ते इसे स्वीकृति प्रदान की और इस प्रकार यह विधेयक अब कानून में तब्दील हो गया है। वक्फ इस्लाम के उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्ति का समर्पण है और इतिहास में इसका एक महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें मस्जिदें, मदरसे, आश्रय गृह और मुसलमानों द्वारा दान की गयी हजारों एकड़ जमीन शामिल हैं। इनका प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है, तथा कुछ को अपनी संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 (उमीद) पारदर्शिता, जवाबदेही, आधुनिकीकरण तथा दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत करता है। इसमें गैर–मुस्लिम प्रतिनिधित्व, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा वित्तीय सुधार के प्रावधान शामिल हैं। इन परिवर्तनों में अतिक्रमण को रोकना तथा संसाधनों का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए सुनिश्चित करना शामिल है। संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया, संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देगा तथा लोगों के अधिकारों की भी रक्षा करेगा, उन्होंने सोशल मीडिया एक्स में लिखा। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों, शीर्षक विवादों तथा वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे को विनियमित करने के संबंध में कुछ खामियां हैं। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, अगर सरकार यह विधेयक नहीं लाती है, तो संसद भवन और हवाई अड्डे को वक्फ संपत्ति माना जायेगा।श यह संदर्भ हमें उन विशिष्ट मुद्दों को समझने में मदद करता है, जिन्हें संशोधन संबोधित करने का लक्ष्य रखता है। इस सप्ताह संसद में लगभग 12 घंटे तक चली बहस के दौरान विपक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी कदम बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि निचले सदन में 288 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 232 ने इसका विरोध किया। श्इससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि विभिन्न दलों के विरोध के बावजूद, यह विधेयक मोदी सरकार द्वारा मनमाने ढंग से लाया गया। विचारों की यह विविधता इस मुद्दे की जटिलता और महत्व को दर्शाती है। कांग्रेस सदस्य इमरान मसूद ने सरकार से पूछा कि वह अभ्यास करने वाले मुसलमानश को कैसे परिभाषित करेगी। उन्होंने पूछा, आपकी परिभाषा क्या है? सभी मुसलमान पांच बार नमाज नहीं पढ़ते हैं, और सभी मुसलमान रोजा नहीं रखते हैं। मानदंड क्या होंगे? मुस्लिम समूहों ने तर्क दिया है कि वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ कानूनों को कमजोर करना है। उनका मानना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करेगा। उन्होंने बढ़ते सरकारी नियंत्रण और व्यापक परामर्श की कमी का भी विरोध किया। ये चिंताएं मुस्लिम समुदाय पर विधेयक के संभावित नकारात्मक प्रभाव और आगे की चर्चा और परामर्श की आवश्यकता को उजागर करती हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का मानना है कि यह सरकार को बहुत अधिक शक्ति देता है और वर्तमान कानून में कई बदलावों का सुझाव देता है। लोकसभा में बोलते हुए, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि यह विधेयक संविधान को कमजोर करेगा, अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करेगा, भारतीय समाज को विभाजित करेगा और अल्पसंख्यकों को वंचित करेगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष अल्पसंख्यकों को डरा रहा है और श्यह भ्रम पैदा कर रहा है कि यह विधेयक मुस्लिम भाइयों की धार्मिक गतिविधियों और उनकी दान की गयी संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा।श सरकार का दावा है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनायेगा। इस विधेयक को पहली बार पिछले साल अगस्त में संसद में पेश किया गया था। कड़े विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने संशोधित संस्करण प्रस्तुत किया जिसमें समिति द्वारा सुझाये गये 25 बदलाव शामिल हैं। जेपीसी में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी दोनों के सदस्य थे। समर्थकों का दावा है कि वक्फ बोर्ड भारत के सबसे बड़े भूस्वामियों में से हैं। कम से कम 872 51 वक्फ संपत्तियां हैं, जो 940,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई हैं। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 12खरब रुपये या लगभग 14.22अरब डॉलर है। मुसलमानों के लिए एक चिंताजनक संशोधन सरकार को राज्य स्तरीय वक्फ बोर्डों में दो गैर–मुस्लिम सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। यह वक्फ बोर्डों की सामान्य संरचना को बदल देता है, जिसमें आमतौर पर केवल मुसलमान शामिल होते हैं क्योंकि वक्फ संस्थाएं इस्लामी कानून पर आधारित होती हैं। संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत लचीलापन देता है, क्योंकि यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि देरी के लिए श्पर्याप्त कारणश क्या है। जे.पी.सी. ने भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के संशोधन को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया है कि नियुक्त सरकारी अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर का होना चाहिए, जिसे वक्फ मामलों में विशेषज्ञता हासिल हो। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बोर्ड में जानकार लोग शामिल हों। संशोधित विधेयक में वक्फ बोर्डों में गैर–मुस्लिम प्रतिनिधित्व का प्रावधान बरकरार रखा गया है। फिर भी, यह न्यायाधिकरण में इस्लामी कानूनी विशेषज्ञता की आवश्यकता के साथ इसे संतुलित करता है। यह शामिल विभिन्न पक्षों के बीच एक समझौते का प्रतिनिधित्व करता है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, जो अब एक अधिनियम है, एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फिर भी, इसकी सफलता अंततरू सावधानीपूर्वक निष्पादन, हितधारक जुड़ाव और सभी समुदायों के लिए निष्पक्षता पर निर्भर करेगी।

न्यासा नहीं करेगी बॉलीवुड में डेब्यू.. काजोल ने खुद किया कन्फर्म, कहा-यह बेटी का खुद का फैसला है

बॉलीवुड के फेमस कपल अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन ने भले ही अभी तक फिल्मों में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वह अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी वो किसी हाई–फैशन इवेंट में नजर आती हैं, तो कभी दोस्तों के साथ पार्टी करते हुए उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। इसी बीच न्यासा की मां काजोल ने उनके बॉलीवुड में डेब्यू पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, हाल ही में काजोल एक मीडिया इवेंट का हिस्सा बनीं, जहां उनसे न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल पूछा गया। काजोल ने बिना झिझके जवाब देते हुए कहाः नहीं, फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। वो अब 22 साल की हो चुकी है और उसने खुद यह फैसला लिया है कि वह अभी फिल्मों में नहीं आना चाहती। उनकी यह प्रतिक्रिया सुनकर न्यासा के फैंस काफी हैरान रह गए। इवेंट के दौरान काजोल से यह भी पूछा गया कि अगर कोई युवा एक्टर या एक्ट्रेस इंडस्ट्री में करियर शुरू करना चाहे, तो वह उन्हें क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने बेहद सटीक बात कही–हर किसी से सलाह मत लेना। क्योंकि जैसे ही आप पूछते हो दृ 'क्या करना चाहिए?', आपको सौ अलग–अलग राय मिलने लगती हैं। कोई कहेगा नाक बदलो, कोई बालों का रंग बदलने की बात करेगा। ये सब इंसान को और भी ज़्यादा भ्रमित कर देता है। सबसे जरूरी है कि आप खुद पर भरोसा रखें और अपनी पहचान खुद बनाएं। काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही 'मां' नाम की एक फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसे विशाल फुरिया

> “
> हाल ही में काजोल एक मीडिया इवेंट का हिस्सा बनीं, जहां उनसे न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल पूछा गया। काजोल ने बिना झिझके जवाब देते हुए कहा: नहीं, फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। वो अब २२ साल की हो चुकी है और उसने खुद यह फैसला लिया है कि वह अभी फिल्मों में नहीं आना चाहती।

निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है, जिसमें काजोल एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है। फिल्म का पहला लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक गहरी और शक्तिशाली भूमिका में नजर आईं थीं। फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में आये इमरान हाशमी, इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बाद आये 'Low Phase' पर हुई चर्चा

इंडियाज गॉट लैटेंट में अपने भद्दे मजाक के कारण कड़ी आलोचना झेलने वाले और कानूनी मुसीबत में फंसे रणवीर इलाहाबादिया ने इमरान हाशमी से टीआरएस पॉडकास्ट में बात करते हुए पिछले कुछ महीनों में अपने 'बुरे दौर' के बारे में बात की। अपनी आने वाली फिल्म ग्राउंड जीरो के प्रचार के लिए पहुंचे अभिनेता ने इलाहाबादिया से कहा, ष्हर कोई जानता हैष् विवाद का जिक्र करते हुए। इमरान ने कहा, ष्जब आप मुश्किल में होते हैं, तो आपको पता चलता है कि आपके सच्चे दोस्त कौन हैं। बाकी सभी चुपचाप चले जाते हैं। और फिर आपके पास वे लोग रह जाते हैं जो वाकई मायने रखते हैं। जब आप मुश्किल में होते हैं तो वे ही आपका साथ देते हैं। वे ही आपके असली दोस्त हैं। रणवीर ने फिर कहा, मुझे नहीं पता कि पिछले 2–3 महीनों में मेरे जीवन में क्या हुआ, इससे आप परिचित हैं या नहीं, उन्होंने इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद का जिक्र किया। इमरान ने तुरंत कहा, हर कोई जानता है। फिर उन्होंने कहा, जब आप मुश्किल में होते हैं, तो आपको पता चलता है कि आपके सच्चे दोस्त कौन हैं। बाकी सभी चुपचाप चले जाते हैं। और फिर आपके पास वे लोग रह जाते हैं जो वाकई मायने रखते हैं। जब आप मुश्किल में होते हैं, तो वे ही आपका साथ देते हैं। वे आपके असली दोस्त हैं। इमरान हाशमी ने यह भी बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दोस्त शब्द का सबसे ज़्यादा दुरुपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा, जिन लोगों के साथ आप पार्टी करते हैं, जो आपसे कुछ पाने के लिए आपकी ज़िंदगी में आते हैं – वे ज़रूरत–आधारित रिश्ते होते हैं, असली दोस्ती नहीं। यह भी ग्लैमर का हिस्सा है। अपनी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न करने के अपने बुरे दौर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में सफलता की लहर पर सवार होने के लिए भाग्यशाली रहा हूं। लेकिन 2018–2019 के आसपास, जब मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं – वह शायद मेरे लिए सबसे बुरा दौर था। उदाहरण के लिए चीट इंडिया और द बॉडी। मैंने देखा है कि कैसे इंडस्ट्री आपके अच्छे पलों के दौरान आपको खुश करती है। एक समय ऐसा भी था जब मैं अपने लिविंग रूम में खड़ा भी नहीं हो पाता था – यह मेरे जन्मदिन पर फूलों और उपहारों से भरा हुआ था। लेकिन जब एक शुक्रवार के बाद ही सब कुछ बदल जाता है, तो यह सब बंद हो जाता है। आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, आप एक वस्तु बन जाते हैं। आप उस ध्यान को प्यार से भ्रमित करने लगते हैं। लेकिन सच्चाई यह है – वे वास्तव में आपसे प्यार नहीं करते। आप उनके लक्ष्य तक पहुँचने का एक साधन मात्र हैं। आप केवल उनके द्वारा किए गए निवेश पर एक वापसी मात्र हैं। इमरान हाशमी अब अपनी आगामी फिल्म श्ग्राउंड जीरोश् की रिलीज़ के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन तेजस विजय देओस्कर कर रहे हैं। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फिल्म संघर्षग्रस्त कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

बीएसएफ जवानों संग मैं निकला गड्डी लेकर पर थिरके सनी देओल, जाट की सक्सेस के लिए तनोट माता मंदिर में मांगी मन्नत

सनी देओल की फिल्म जाट रिलीज हो गई हैं। एक्टर को भी अपनी इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं। अपनी इस फिल्म की सफलता के लिए सनी देओल राजस्थान के तनोट माता मंदिर पहुंचे। इस मंदिर की माता को सैनिकों की देवी कहा जाता है। भारत–पाकिस्तान के बॉर्डर पर स्थित इस आखिरी हिंदू मंदिर में सनी देओल ने पूजा की। इसके बाद उन्होंने बीएसएफ के जवानों के साथ डांस भी किया। सनी देओल का तनोट माता मंदिर से डांस करते हुए वीडियो सामने आया है। इसमें सनी अपनी फिल्म गदर के सुपरहिट गाने मैं निकला गड्डी लेके पर झूम–झूमकर डांस कर रहे हैं। इस गाने को जवान गाना गा रहे हैं और गिटार बजा रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। एक्टर ने जाट की सफलता के लिए तनोट माता के मंदिर में कामना की और आशीर्वाद लिया। इस मंदिर का सनी की फिल्म बॉर्डर से भी कनेक्शन है। दरअसल इसकी झलक उस फिल्म में दिखाई गई थी। साल 1971 के भारत–पाक युद्ध के दौरान तनोट माता पर जो गोलाबारी हुई थी उसे बॉर्डर में दिखाया गया था। फिल्म में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का किरदार निभाया था। इस मंदिर का रख–रखाव और माता की सेवा बीएसएफ के जवान ही करते हैं। मालूम हो कि सनी देओल की पिछली रिलीज गदर 2 थी जो साल 2023 में आई थी। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी और उस साल की देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। फिल्म जाट की बात करें तो सेंसर बोर्ड ने इसमें कई कट्स भी लगाए और 22 बदलाव करवाए हैं। इनमें गालियों और अपशब्दों समेत कई हिंसक सीन्स शामिल हैं जिन्हें चेंज करवाया गया है। महिला इंस्पेक्टर के मोलेस्टेशन वाले सीन को भी काटकर छोटा किया गया है। फिल्म में सनी के अलावाय सैयामी खेर और रणदीप हुड्डा जैसे स्टार्स हैं।

नेहा धूपिया ने इंटरनेट पर बच्चों की सुरक्षा के लिए असम पुलिस से हाथ मिलाया

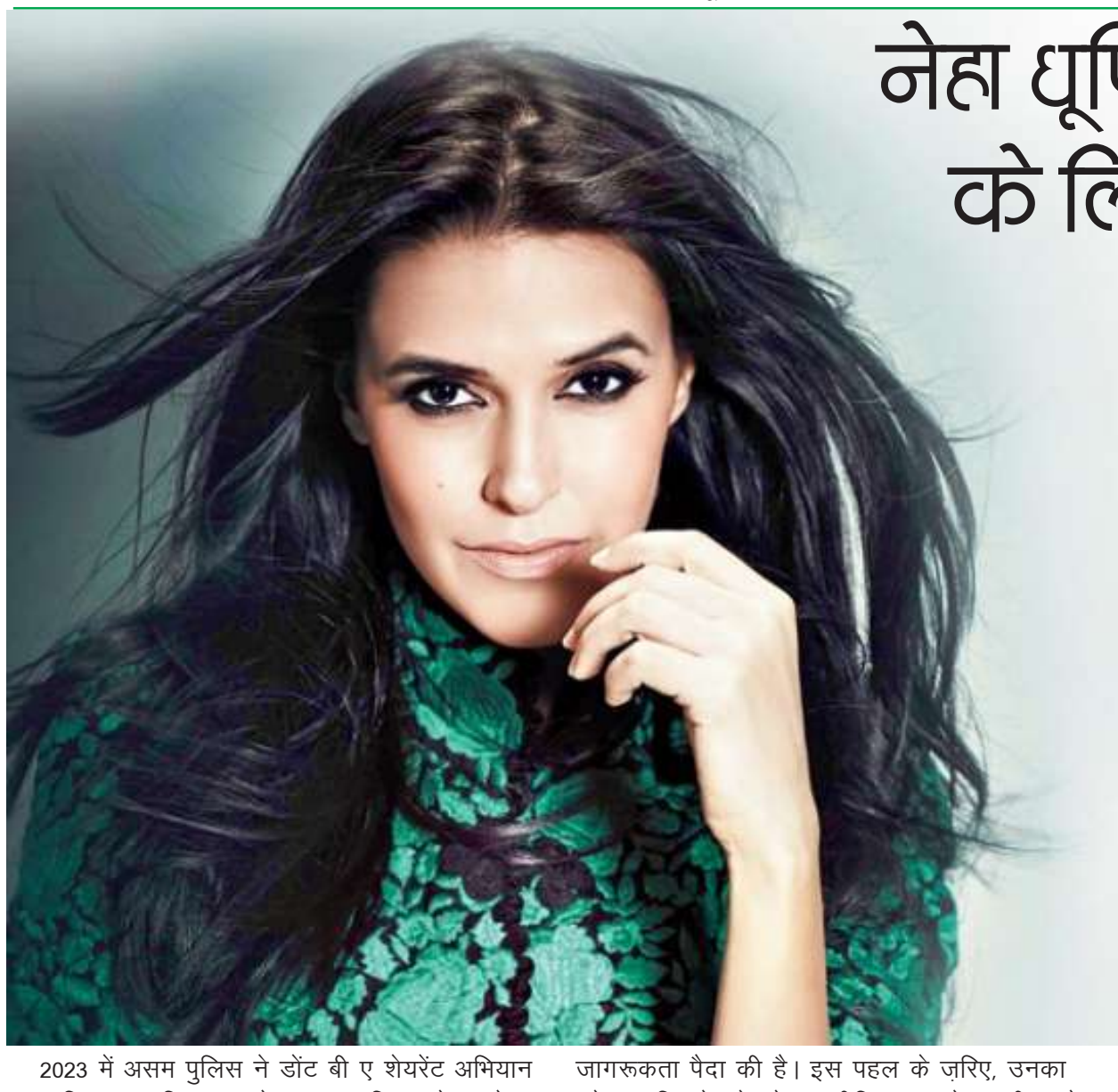

2023 में असम पुलिस ने डोंट बी ए शेयरेंट अभियान शुरू किया था, जिसका उद्देश्य माता–पिता को अपने बच्चों के बारे में ऑनलाइन बहुत अधिक जानकारी साझा करने से रोकना है क्योंकि इससे उन्हें खतरा हो सकता है। अब, अभिनेत्री और दो बच्चों की माँ नेहा धूपिया ने असम पुलिस और गैर–लाभकारी संगठन च्प्ट फ़ाउंडेशन के साथ मिलकर इंटरनेट पर बच्चों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा की है। इस पहल के ज़रिए, उनका उद्देश्य परिवारों को सोशल मीडिया पर शेयर की जाने वाली चीज़ों के प्रति सचेत रहने के लिए प्रोत्साहित करना है। बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने असम पुलिस और पीआईआईआर फाउंडेशन के साथ मिलकर जिम्मेदार डिजिटल पेरेंटिंग को बढ़ावा दिया है और #DontBeASharent अभियान के माध्यम से बच्चों के अधिकारों की ऑनलाइन रक्षा की है।

किशोरावस्था के बाद पेरेंटिंग अभियान के लिए नेहा धूपिया असम पुलिस से जुड़ी

जिम्मेदार डिजिटल पेरेंटिंग को बढ़ावा देने और इंटरनेट पर बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने असम पुलिस से हाथ मिलाया है। यह सहयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अभियान #DontBeASharent को आगे बढ़ाता है। असम पुलिस द्वारा शुरू किया गया #DontBeASharent एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो सोशल मीडिया पर बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी को अत्यधिक साझा करने के जोखिमों और माता–पिता और देखभाल करने वालों द्वारा डिजिटल व्यवहार के प्रति सजग रहने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। नेहा धूपिया ने इस बढ़ते आंदोलन के बारे में बात की और कहा कि यह परिवारों को जिम्मेदार डिजिटल आदतें अपनाने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगा। "एक माँ के रूप में, मैं अपने बच्चों की उपलब्धियों को ऑनलाइन साझा करने की खुशी को समझती हूँ। लेकिन हमें खुद से पूछना चाहिए – कितना ज़्यादा है? 'रुक्वदजठमौंतमदज' हमारे बच्चों को न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि डिजिटल रूप से भी सुरक्षित रखने के लिए एक शक्तिशाली अनुस्मारक है," उन्होंने कहा। यह अभियान अब स्कूलों और सामुदायिक स्थानों पर जागरूकता वीडियो और शैक्षिक कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से विस्तारित होगा, जिसकी योजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने की है। नेटफ्लिक्स शो एडोलसेंस एक 13 वर्षीय लड़के (ब्रेकआउट स्टार ओवेन कूपर द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जिस पर ऑनलाइन मैनोस्फीयर में उलझने के बाद एक महिला सहपाठी को चाकू मारने का आरोप है। जब से यह मनोरंजक शो रिलीज़ हुआ है, इसने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और नेटफ्लिक्स की सबसे लोकप्रिय अंग्रेजी–भाषा टीवी शो की सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, अभिनेता ब्रैड पिट के प्रोडक्शन हाउस, प्लान बी एंटरटेनमेंट ने पुष्टि की है कि वे हिट शो के संभावित दूसरे सीज़न को विकसित करने के लिए शुरुआती चर्चा में हैं। पिछले महीने ब्रिटिश ड्रामा की लोकप्रियता में उछाल आने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में, प्लान बी के सह–अध्यक्ष डेडे गार्डनर और जेरेमी क्लेनर ने डेडलाइन को बताया कि वे श्रृंखला के ष्अगले संस्करणष के बारे में निर्देशक फिलिप बैरेंटिनी के साथ बातचीत कर रहे हैं।

> “
> "एक माँ के रूप में, मैं अपने बच्चों की उपलब्धियों को ऑनलाइन साझा करने की खुशी को समझती हूँ। लेकिन हमें खुद से पूछना चाहिए - कितना ज़्यादा है? 'रुक्वदजठमौंतमदज' हमारे बच्चों को न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि डिजिटल रूप से भी सुरक्षित रखने के लिए एक शक्तिशाली अनुस्मारक है,"

अप्रैल की गर्मी से बचने के लिए कूलर-एसी की नहीं पड़ेगी जरूरी, घर को ठंडा रखने के लिए अपनाएं ये हैक्स

मौसम विभाग के मुताबिक इस बार का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। ऐसे में यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अधिक गर्मी होगी। लेकिन अगर आप अभी से गर्मी से परेशान हो रहे हैं, तो आप गर्मी से बचने के लिए इन हैक्स को फॉलो कर सकते हैं। इस बार मार्च–अप्रैल के महीने से ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरूकर दिया है। जबकि हर साल इन महीनों में हल्की ठंडक बनी रहती थी। लेकिन इस बार अभी से तामपान इतना बढ़ गया है कि लोगों को एसी और कूलर की जरूरत महसूस होने लगी है। अप्रैल का महीना इतना गर्म देखकर लोग आने वाले महीनों के लिए परेशान हो रहे हैं। वहीं दोपहर के समय तेज धूप के कारण घर की छतें भी तपने लगी हैं, जिसकी वजह से रात में गर्मी महसूस हो रही है। इस गर्मी में बिना पंखे–कूलरे के सोना मुश्किल हो रहा है। बता दें कि मौसम विभाग के मुताबिक इस बार का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। ऐसे में यह उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अधिक गर्मी होगी। लेकिन अगर आप अभी से गर्मी से परेशान हो रहे हैं, तो आप गर्मी से बचने के लिए इन हैक्स को फॉलो कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिना कूलर–एसी के घर को ठंडा करने के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

घर को ठंडा रखने के लिए ये हैक्स करें फॉलो

जल्दी गर्मी बढ़ने से लोगों की सेहत पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। गर्मी बढ़ने की वजह से लोग अभी से कूलर और पंखा चलाकर सोने लगते हैं। जिसकी वजह से सर्दी–जुकाम और तबियत खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप अभी से कूलर पंखा चलाने की बजाय ये टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आप दोपहर के समय घर के दरवाजे बंद रखें। क्योंकि धूप ज्यादा तेज होने के कारण लोग दोपहर में घर का दरवाजा खोल देते हैं। ऐसे में बेहतर है कि दोपहर को दरवाजा बंद रखें और सुबह–शाम दरवाजा खुले रखें। इस समय गर्मी अचानक से बढ़ गई तो आप कूलर चलाने की जगह ये ऑप्शन ज्यादा अच्छा है। इससे आपको पंखे की ठंडी हवा लगेगी। वहीं यदि आप अभी से कूलर नहीं चलाना चाहते हैं, तो घर की खिड़कियों को खुला रखें और दोपहर में पर्दे लगाकर रखें। इससे आपका कमरा गर्म नहीं होगा और पंखे की हवा भी ठंडी लगेगी। क्योंकि धूप भले ही इस दौरान तेज होती है, लेकिन मौसम में ठंडक है। इसके साथ ही घर को ठंडा रखने के लिए आप घर की छत पर पानी का छिड़काव कर सकते हैं। जिन लोगों का कमरा ऊपर है और छत पर सीधे धूप पड़ती है, तो वह छत पर पानी जरूर छिड़कें। इससे आपको गर्मी से भी राहत मिलेगी। कमरे में फ्रिज या फिर कोई ऐसा सामान न रखें, जिससे हीट निकलती हो। इससे कमरे में ज्यादा हीट नहीं होगी और आपको अभी से कूलर चलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं छत पर पौधे लगा सकते हैं, इससे कमरा ठंडा रहेगा। आप अपनी छत पर फूलों वाले पौधे भी लगा सकते हैं।

सिर्फ स्पअमत नहीं आपका दिल भी हो सकता है फैटी हार्ट, कारण, लक्षण और बचाव भी जानिए

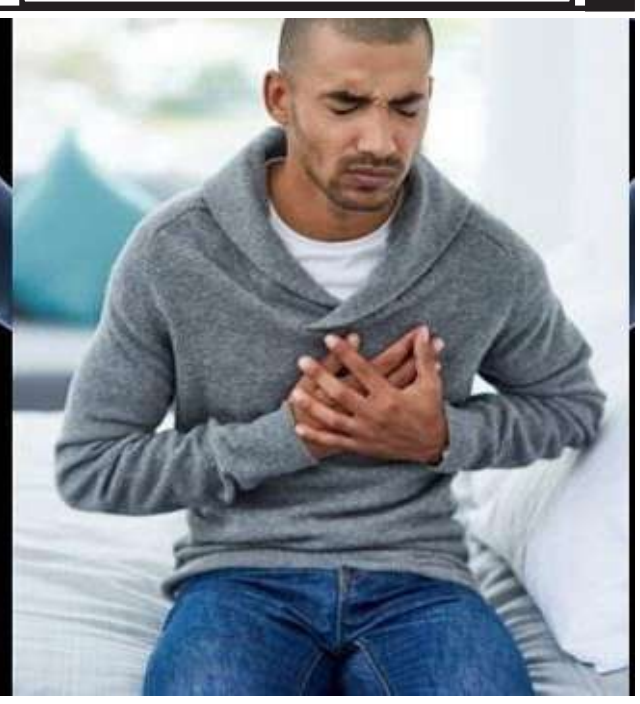

आजकल के खानपान और जीवनशैली में बदलाव के कारण फैटी लिवर एक आम समस्या बन चुकी है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हार्ट भी फैटी हो सकता है? जी हां, आपके दिल में भी फैट जमा हो सकता है, जो दिल के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। इसे एपिकार्डियल फैट एक्युमुलेशन कहा जाता है। आइए जानते हैं इस समस्या के बारे में विस्तार से।

फैटी हार्ट

फैटी हार्ट उस स्थिति को कहा जाता है जब दिल के आसपास या उसके अंदर अधिक मात्रा में फैट जमा हो जाता है। यह फैट धीरे–धीरे दिल के सामान्य कामकाज को प्रभावित करता है और इसके परिणामस्वरूप हार्ट अटैक, हाई ब्लड प्रेशर, और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह समस्या उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी कि फैटी लिवर।

हार्ट में फैट जमा होने के कारण

हार्ट में फैट जमा होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख कारण

मोटापा

जब शरीर का वजन बढ़ता है, तो शरीर में चर्बी का जमा होना स्वाभाविक है, और यह फैट सिर्फ पेट या जांघों में ही नहीं, बल्कि दिल में भी जमा हो सकता है। मोटापे के कारण एपिकार्डियल फैट (दिल के आसपास फैट) का जोखिम बढ़ता है। यह फैट धीरे–धीरे दिल के कामकाज को प्रभावित करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर, दिल की धड़कन की अनियमितता और अन्य कार्डियोवैस्कुलर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मोटापे के कारण हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, स्वस्थ वजन बनाए रखना दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

अनहेल्दी डाइट

हमारे आहार में तला–भुना, जंक फूड और वसायुक्त खाना शामिल होने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि यह दिल में फैट जमा करने का भी एक बड़ा कारण बनता है। ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का सेवन कराते हैं, जो बाद में दिल के आसपास जमा हो जाते हैं। अधिक कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस फैट वाले भोजन का सेवन भी दिल की सेहत के लिए हानिकारक है। इसके कारण, रक्त में फैट का स्तर बढ़ सकता है, जिससे दिल की धमनियों में ब्लॉकेज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इस कारण, हमें संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है, जिसमें ताजे फल, सब्जियां और हेल्दी फैट्स शामिल हों।

कम शारीरिक एक्टिविटी

आजकल की जीवनशैली में शारीरिक गतिविधि की कमी और एक स्थायी जीवनशैली एक महत्वपूर्ण कारण बन गई है, जिससे दिल में फैट जमा हो सकता है। यदि आप अधिकतर समय बैठकर काम करते हैं, जैसे ऑफिस में घंटों तक कंप्यूटर पर काम करना या टीवी देखने जैसी आदतें, तो आपके शरीर का मेटाबोलिज्म धीमा पड़ सकता है। यह शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होने का कारण बनता है, जो अंततः दिल में जमा होने लगता है। शारीरिक सक्रियता की कमी से रक्त संचार भी सही तरीके से नहीं होता, जिससे फैटी हार्ट की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि करना आवश्यक है।

डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल

डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल दो ऐसी स्थितियां हैं जो सीधे तौर पर दिल की सेहत पर असर डालती हैं। डायबिटीज की स्थिति में शरीर में इंसुलिन का असंतुलन होता है, जिससे ब्लड शुगर बढ़ जाता है, और इसके कारण दिल में फैट जमा होने की संभावना बढ़ जाती है। दूसरी ओर, हाई कोलेस्ट्रॉल रक्त में एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को बढ़ाता है, जो दिल की धमनियों में जमकर ब्लॉकेज का कारण बन सकता है। अगर इन दोनों स्थितियों का इलाज समय पर न किया जाए तो दिल में फैट जमा हो सकता है, जिससे हार्ट अटैक और अन्य गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसीलिए, अगर आपको डायबिटीज या हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, तो नियमित रूप से इनका इलाज कराना बेहद जरूरी है।

स्मोकिंग और शराब का सेवन

स्मोकिंग और शराब का अत्यधिक सेवन दिल की सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। स्मोकिंग के कारण शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो जाता है, जिससे दिल की धमनियां संकुचित हो सकती हैं और रक्त का संचार कम हो जाता है। इसके अलावा, धूम्रपान से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ता है, जिससे फैटी हार्ट की समस्या उत्पन्न हो सकती है। शराब के अत्यधिक सेवन से भी शरीर में वसा का जमाव बढ़ता है, खासकर पेट के आसपास और दिल में। इससे न केवल दिल में फैट जमा होता है, बल्कि यह रक्तचाप को भी प्रभावित करता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाता है। इसलिए, इन आदतों से दूर रहना दिल की सेहत के लिए जरूरी है।

फैटी हार्ट के लक्षण

फैटी हार्ट की शुरुआत में कोई विशेष लक्षण नहीं दिखाई देते। लेकिन जैसे–जैसे यह समस्या बढ़ती है, आपको निम्नलिखित लक्षण महसूस हो सकते हैं।

सीने में भारीपन या दबाव दिल के पास चर्बी जमा होने से सीने में भारीपन महसूस हो सकता है।

जल्दी थकानः शारीरिक रूप से जल्दी थकान महसूस होना।

सांस में तकलीफः हार्ट में फैट जमा होने से सांस लेने में मुश्किल हो सकती है।

धड़कन तेज या अनियमित होनाः दिल की धड़कन तेज या असामान्य हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर या हाई कोलेस्ट्रॉलः इन समस्याओं का बढ़ना भी फैटी हार्ट का संकेत हो सकता है।

कैसे पता चलेगा कि आपका दिल फैटी हो चुका है?

अगर आपको लगता है कि आपके दिल में फैट जमा हो सकता है, तो आप इन मेडिकल टेस्ट्स से यह जान सकते हैं।

ईसीजीः यह टेस्ट दिल की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को मापता है और आपको दिल की समस्या का पता लगाने में मदद करता है।

इकोकार्डियोग्राफीः यह टेस्ट दिल के आकार और उसके कामकाज को मापता है।

ब्लड रिपोर्ट्सः लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, और कोलेस्ट्रॉल की रिपोर्ट्स से भी दिल की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

फैटी हार्ट से कैसे बचें?

फैटी हार्ट से बचने के लिए आपको अपनी दिनचर्या और खानपान में कुछ बदलाव करने होंगे। यहां कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

हेल्दी डाइट अपनाएंः अपनी डाइट में बदलाव करें और तला–भुना, जंक फूड को कम करें। ओमेगा–3 फैटी एसिड, फाइबर, फल और सब्जियां ज्यादा खाएं।

शारीरिक सक्रियताः हर रोज कम से कम 30–45 मिनट तक वॉक या एक्सरसाइज करें। योग और मेडिटेशन को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखेंः अगर आपको उच्च रक्तचाप या कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, तो डॉक्टर की सलाह लें और दवाइयों का सही तरीके से सेवन करें।

स्मोकिंग और शराब से बचेंः इन दोनों आदतों से दिल पर बहुत बुरा असर पड़ता है, इसलिए इन्हें अपनी जिंदगी से बाहर करें।

फैटी हार्ट एक गंभीर समस्या है, लेकिन अगर आप समय रहते इसका इलाज और बचाव कर लें, तो इसे रोका जा सकता है। हेल्दी डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और जीवनशैली में बदलाव करके आप अपने दिल को स्वस्थ और फैट–फ्री रख सकते हैं। अपनी सेहत का ध्यान रखें और किसी भी समस्या के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

कैंसर की स्टेज 0 पकड़ ली तो कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी बीमारी, बस लक्षण गौर कर लें

कैंसर एक ऐसी नामुराद बीमारी है जो घर पर आ जाए तो मरीज की जान को तो खतरे में डाल ही देती है, साथ ही ये परिवार की कमर भी तोड़ देती है। बिगड़ता लाइफस्टाइल, प्रदूषण गंदा पानी इसकी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है लेकिन इसी के साथ बीमारी को लेकर लोगों में अवेयरनेस कम होना भी इस बीमारी को जानलेवा बना देता है। अगर जीरो स्टेज पर ही इस बीमारी को पकड़ लिया जाए तो मरीज बीमारी को मात देकर जल्दी सही हो जाता है। बहुत से लोग जीरो स्टेज कैंसर के लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं जिसके चलते कैंसर की स्टेज बढ़ जाती है और बीमारी ला–इलाज हो जाती है। चलिए आपको जीरो स्टेज कैंसर के बारे में ही विस्तार से बताते हैं।

जीरो स्टेज कैंसर और उसके लक्षण

जीरो स्टेज कैंसर जिसे स्टेज 0 कैंसर, इन–सीटू कैंसर और प्री–कैंसर के नाम से भी जाना जाता है। यह कैंसर के सबसे शुरुआती चरण है जब शरीर कुछ संकेत देता है ये इतने सामान्य संकेत होते हैं कि लोग इसे इग्नोर कर देते हैं। इस स्टेज में कैंसर कोशिकाएं एक स्थान पर सीमित होती हैं और उन्होंने आसपास के ऊतकों (जपेनमे) में फैलना शुरू नहीं किया होता है। स्टेज 0 कैंसर में बॉडी स्पष्ट या बहुत गंभीर संकेत नहीं देती, लेकिन कुछ सामान्य संकेत हो सकते हैं जैसेः

मुंह में बार–बार छाले होना, मुंह के अंदर की स्किन पर सफेद निशान पड़ना।

बार–बार डायरिया जैसे दस्त लगना या कब्ज रहना।

आप अच्छा और भरपूर खाना खा रहे हैं फिर भी आपका वजन कम हो रहा है।

शरीर पर किसी तरह की गांठ बन गई है और लगातार बढ़ भी रही है और दर्द भी दे रही है।

शरीर पर कोई तिल जो आसामान्य तरीके से अचानक बढ़ना शुरू हो गया हो।

ये संकेत जीरो स्टेज कैंसर के मुख्य लक्षणों में से एक हो सकते हैं जिसे इग्नोर करना सेहत से जुड़ी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। चलिए आपको कुछ और कैंसर के प्रकार भी बताते हैं जिसके संकेत उस कैंसर पर निर्भर करते हैं।

ब्रेस्ट कैंसर

ब्रेस्ट में गांठ या असामान्य महसूस करनाः ब्रेस्ट में किसी गांठ या त्वचा में बदलाव महसूस होना।

निप्पल से असामान्य स्रावः कभी–कभी निप्पल से दूध के अलावा अन्य प्रकार का डिस्चार्ज (स्राव) हो सकता है।

ब्रेस्ट की त्वचा में बदलावः ब्रेस्ट की त्वचा पर लालिमा या खुजली जैसी समस्या हो सकती है।

स्किन कैंसर

त्वचा पर असामान्य तिलः तिल का आकार, रंग, या आकार बदलना। तिल में खुजली या खून निकलना।

त्वचा पर घावः त्वचा पर न ठीक होने वाले घाव या अल्सर का बनना।

सर्वाइकल कैंसर

असामान्य योनि रक्तस्रावः मासिक धर्म के बीच में या इंटरकोर्स के बाद रक्तस्राव।

योनि स्राव में बदलावः असामान्य रूप से अधिक या गाढ़ा स्राव।

पेल्विक दर्दः पेल्विक एरिया में हल्का या स्थायी दर्द।

कोलन कैंसर

आंत्र की आदतों में बदलावः लगातार दस्त या कब्ज होना।

रक्त मल में होनाः मल में रक्त की उपस्थिति।

पेट में दर्द या सूजनः पेट में दर्द, ऐंठन, या सूजन।

ओरल कैंसर

मुंह में सफेद या लाल धब्बेः जीभ या मसूड़ों पर सफेद या लाल धब्बों का बनना।

मुंह में दर्दः कोई घाव जो ठीक न हो, या मुंह में लगातार दर्द रहना।

खाने या निगलने में कठिनाईः भोजन निगलने में परेशानी या मुंह के अंदर दर्द।

ब्लैडर कैंसर

पेशाब में रक्तः मूत्र में रक्त का दिखना।

बार–बार पेशाब आनाः बिना किसी विशेष कारण के बार–बार पेशाब की आवश्यकता महसूस होना।

मूत्र के दौरान जलनः पेशाब करते समय जलन या दर्द महसूस होना।

गौर करने वाली बातें

स्टेज 0 कैंसर में लक्षण अक्सर बहुत हल्के या सामान्य दिखते हैं और कई बार व्यक्ति को इसका कोई संकेत महसूस नहीं होता है। नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि शुरुआती चरण में कैंसर का पता लगने पर इलाज के बेहतर परिणाम हो सकते हैं। यदि किसी को ऊपर बताए गए लक्षणों में से कोई भी महसूस हो तो उन्हें डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

संक्षिप्त

अमेरिका-चाइना में बढ़ी तनातनी तो गोल्ड के भी बढ़े दाम, ये हुई सोने की कीमत

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर जारी है। टैरिफ वॉर को देखते हुए हल तरफ हलचल मची हुई है। दोनों देशों के बीच जारी इस तनातनी के कारण सोने की कीमत में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। सोने की कीमत सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोना पहली बार 92,000 प्रति 10 ग्राम के पार पहुंचा था। वहीं घरेलू बाजार में सोने की कीमत 90,000 के पार बनी हुई है। ये पहला मौका था जब सोना 92 हजार के पार हुआ था। सोने की कीमत में ये इजाफा दुनिया में जारी अनिश्चितता के कारण देखने को मिल रहा है। वहीं गुरुवार को एमसीएक्स पर कारोबार में सोने की कीमत में नया रिकॉर्ड बना है। एमसीएक्स पर कारोबार के दौरान सोने की कीमत में नया रिकॉर्ड लेवल को छूआ है। अब 10 ग्राम सोने की कीमत 92,400 रुपये हो गई है। गोल्ड की ये कीमत अब तक सबसे अधिक स्तर पर पहुंची हुई है। इस सप्ताह की शुरुआत में सोने की कीमत में गिरावट आई थी। इस सप्ताह के पहले दिन 10 अप्रैल को 10 ग्राम सोने की कीमत 5,472 रुपये पर पहुंच गई थी। सोने की कीमत 86,928 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंची थी, वहीं अब सोने की कीमत बढ़कर 92,400 रुपये हो गई है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 51 पैसे की तेजी के साथ 86.17 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत, अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 51 पैसे की तेजी के साथ 86.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को नौ जुलाई तक टालने के फैसले से स्थानीय मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.22 पर खुली। रुपया शुरुआती सौदों में 86.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो बुधवार को बंद हुए भाव

के मुकाबले 51 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को 86.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। महावीर जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को शेयर, विदेशी मुद्रा, जिंस बाजार बंद थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.04 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.16 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,358.02 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू शेयर बाजारों में बीएसई सेंसेक्स 1,204.02 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,051.17 अंक पर जबकि निफ्टी 385.25 अंक यानी 1.72 प्रतिशत चढ़कर 22,784.40 अंक पर रहा।

घरेलू बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में तेजी लौटी। अमेरिका के भारत पर अतिरिक्त शुल्क को 90 दिन के लिए टालने के फैसले के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने रफ्तार पकड़ी। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,210.68 अंक की बढ़त के साथ 75,057.83 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 388.35 अंक चढ़कर 22,787.50 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टाटा स्टील, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स

और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। एशियन पेंट्स और नेस्ले के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में हांगकांग के हैंगसेंग तथा चीन के शंघाई एसएसई कंपोजिट में मामूली बढ़त दर्ज की गई। वहीं जापान का निक्की 225 और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। निक्की 225 में चार प्रतिशत तक की गिरावट आई। अमेरिकी बाजारों में बृहस्पतिवार को तेज उछाल के बाद काफी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक कंपोजिट में 4.31 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 3.46 प्रतिशत और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2.50 प्रतिशत की गिरावट आई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.10 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,358.02 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। व्हाइट हाउस के कार्यकारी आदेशों के अनुसार, अमेरिका ने इस साल नौ जुलाई यानी 90 दिन के लिए भारत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला टाल दिया है।

पृथ्वी शॉ आईपीएल 2025 में आ सकते हैं नजर, ऋतुराज गायकवाड़ की जगह CSK की टीम में मिल सकता है मौका

ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रैक्चर के कारण आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं। अब बाकी बचे मैचों में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। वहीं कहा जा रहा है कि, ऋतुराज की जगह सीएसके में पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। फिलहाल, पृथ्वी शॉ आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे।

चेन्नई सुपर किंग्स को एक बड़ा झटका लगा। दरअसल, टीम के हेड कोच ने पुष्टि की है कि टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रैक्चर के कारण आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं। 28 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज को 30 मार्च को गुवाहाटी में खेले गए चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 मैच के दौरान वह चोटिल हो गए थे। अब बाकी बचे मैचों में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। वहीं कहा जा रहा है कि, ऋतुराज की जगह सीएसके में पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। फिलहाल, पृथ्वी शॉ आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे।

इन तीन खिलाड़ियों पर ब्ज्ञ की नजर

पृथ्वी शॉ– पृथ्वी शॉ को आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला। लेकिन वह गायकवाड़ के प्रतिस्थापन के रूप में अब चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के 25 वर्षीय दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आईपीएल 2018 से 2024 तक दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे और अब तक खेले गए 79 आईपीएल मैचों में उनके नाम 1892 रन हैं। भारत के पूर्व अंडर–19 कप्तान एक आक्रामक बल्लेबाज हैं जो आईपीएल 2025 में चेन्नई स्थित फ्रैंचाइजी को धमाकेदार शुरुआत दे सकते हैं।

मयंक अग्रवाल– मयंक आईपीएल में आरसीबी, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, पंजाब किंग्स और एसआरएच के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2022 में पीबीकेएस के कप्तान के रूप में भी काम किया। अब तक खेले गए 127 आईपीएल मैचों में कर्नाटक के 34 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज के नाम 2661 रन हैं। गायकवाड़ की तरह वह पारी की शुरुआत करने के साथ–साथ नंबर 3 पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं।

आयुष म्हात्रे– आयुष मुंबई के 17 वर्षीय बल्लेबाज हैं। हाल ही में सीएसके फ्रेंचाइजी ने उन्हें मिड–सीजन ट्रायल के लिए बुलाया था। जिससे गायकवाड़ के प्रतिस्थापना केरूप में उनके टीम में शामिल होने की संभावना बढ़ गई है। इस युवा खिलाड़ी ने अब तक 9 प्रथम श्रेणी और सात लिस्ट ए मैच खेले हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का मिडिल ऑर्डर नहीं कर सका धमाल, केएल राहुल ने स्टेडियम में दिखाया वनमैन शो

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच हुए मुकाबले में दिल्ली को जीत मिली है। इस मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की हार का कारण खुद टीम रही है। अपने होमग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने महज 18 गेंद में 50 रन जड़े। मुकाबला शुरु होने पर मैच आरसीबी के पलड़े में लग रहा था और काफी सेट ता। फिर विराट कोहली और फिल सॉल्ट के बीच रन बनाते हुए रन बन रहे थे। दोनों अच्छी पार्टनरशिप की ओर बढ़ रहे थे मगर 17 गेंदों में 37 रन बनाने वाले फिल अचानक आउट हो गए। फिल के आउट होने पर आरसीबी का स्कोर 3.5 ओवर में 61/1 पर बना हुआ था। इस विकेट के गिरने के बाद आरसीबी की कहानी आयाराम गयाराम जैसी हुई। आरसीबी आगे बढ़ते हुए 91 रन के स्कोर पर चार विकेट खो चुकी थी। इन विकटों में देवदत्त पडिक्कल (1), विराट कोहली (22) लघ्यिाम लघ्यिंग्स्टोन (4) का विकेट शामिल रहा। आरसीबी का पांचवा विकेट जितेश शर्मा के रूप में गिरा जो तीन रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं कप्तान रजत पाटीदार ने पारी को संभालने की कोशिश की। रजत पाटीगार ने 25 रन बनाए और छठा विकेट गंवा बैठे। आरसीबी को क्रुणाल पंड्या और टिम डेविड ने बचाने की कोशिश की जिन्होंने पारी खत्म होने से पहले धमाकेदार बल्लेबाजी की और 18 व 37 रन बनाए। इस मैच में आरसीबी का मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल हुआ। आरसीबी को परेशान करने में दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव और विप्राज निगम ने शानदार गेंदबाजी की। कुलदीप ने इस मैच में दो विकेट चटकाए और 17 रन दिए। वहीं निगम ने दो विकेट लिए। आरसीबी ने इस मैच में 20 ओवर में 163 रन बनाए। दिल्ली अब रन चेज करने उतरी। शुरुआत में लगा कि बेंगलुरु इस मैच को आसानी से जीत लेगी और दिल्ली को टारगेट पाने नहीं देगी। मैच में फाफ डु प्लेसघ्सि महज दो रन बनाकर यश दयाल का शिकार हो गए। जेक फ्रेजर मैकगर्क (7) और इम्पैक्ट सब अभघ्षिेक पोरेल (7) भी भुवनेश्वर कुमार का शिकार हुए। दिल्ली के तीन विकेट काफी कम स्कोर पर पवेलियन पहुंच चुके थे। पांच ओवर में दिल्ली कैपिटल्स की 30 रन बनाकर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद अक्षर पटेल भी दम नहीं दिखा सके और महज 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 58 रन पर दिल्ली चार विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद केएल राहुल पिच पर आए और उन्होंने 93 रनों की धमाकेदार पारी खेली। मैच को संभालने के लिए उनका साथ ट्रघ्स्टिन स्टब्स(38) ने दिया। दोनों के बीच 111 रनों की मैच विनिंग पार्टनरशिप देखने को मिली थी। दोनों की पार्टनरशिप की बदौलत इस पूरे मैच का रुख बदल गया। आरसीबी के गेंदबाज इस पार्टनरशिप को तोड़ नहीं सके और मैच उनके हाथ से निकल गया।

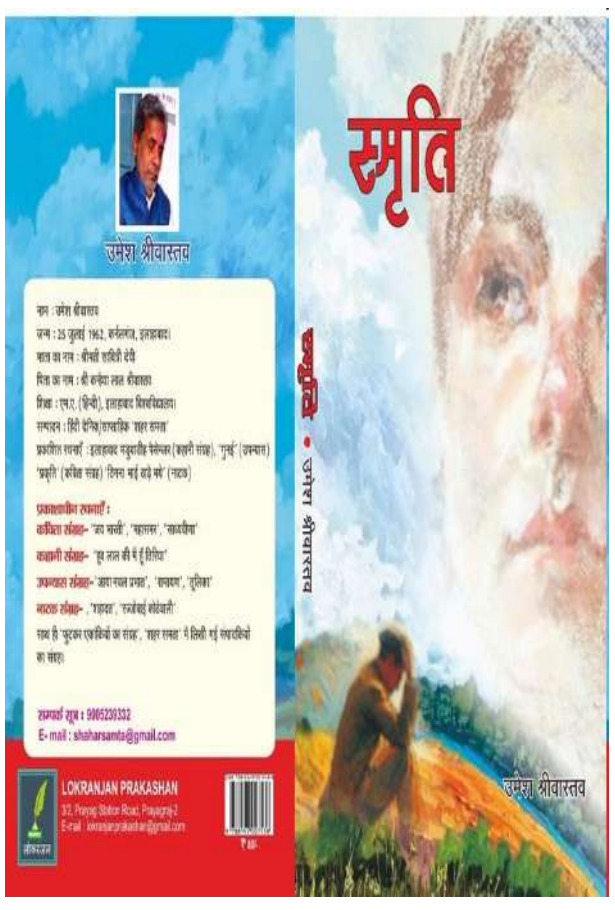

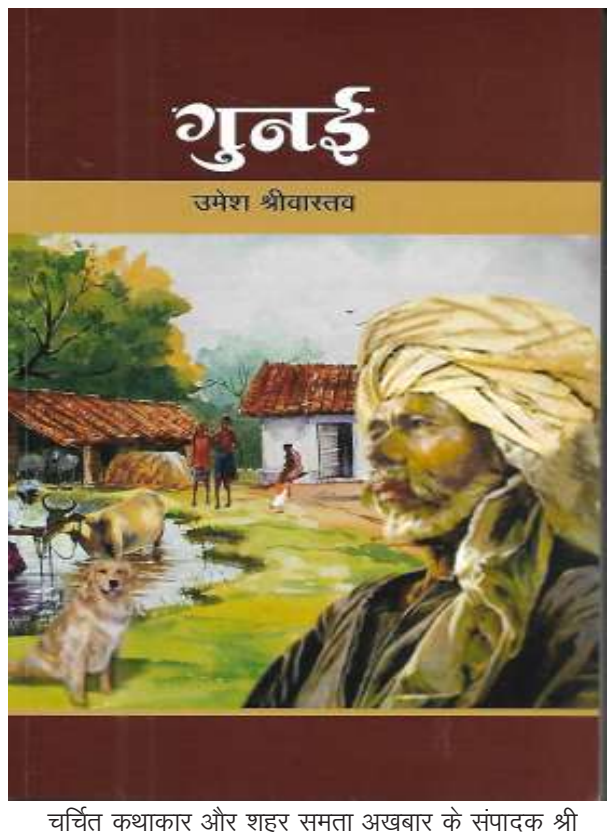

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

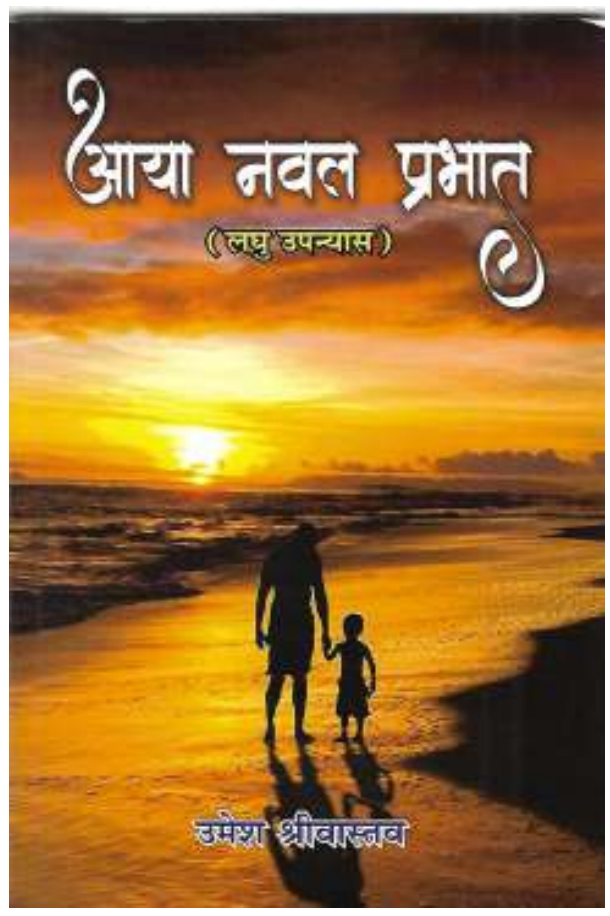

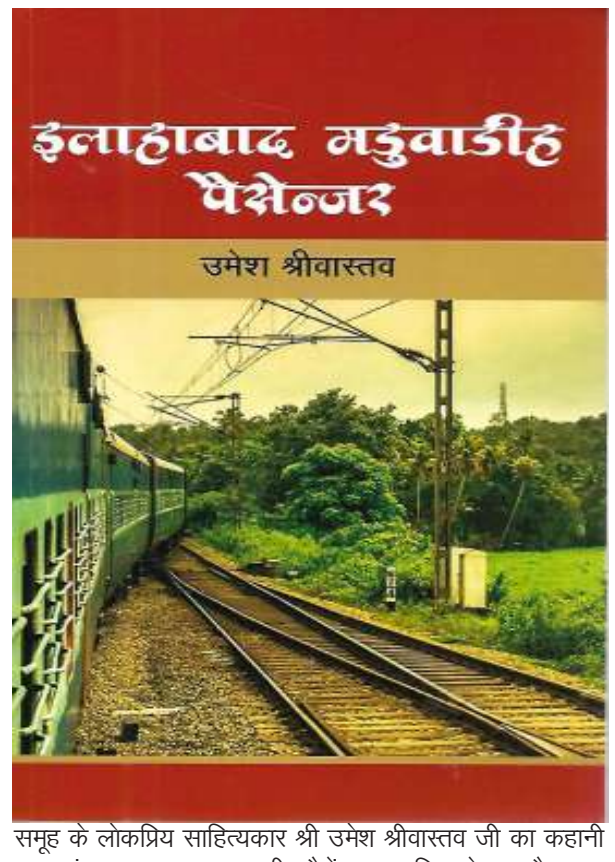

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

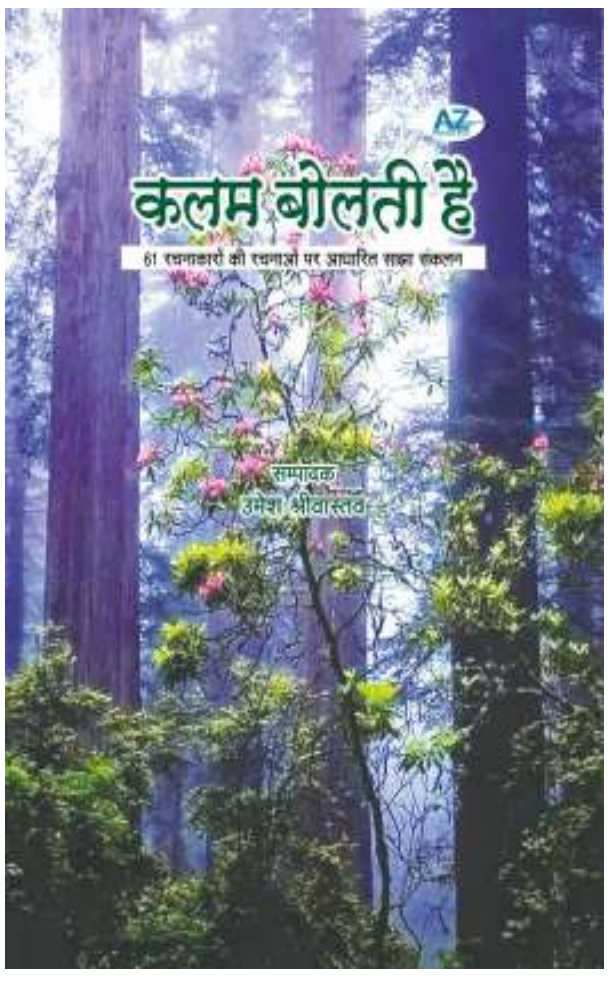

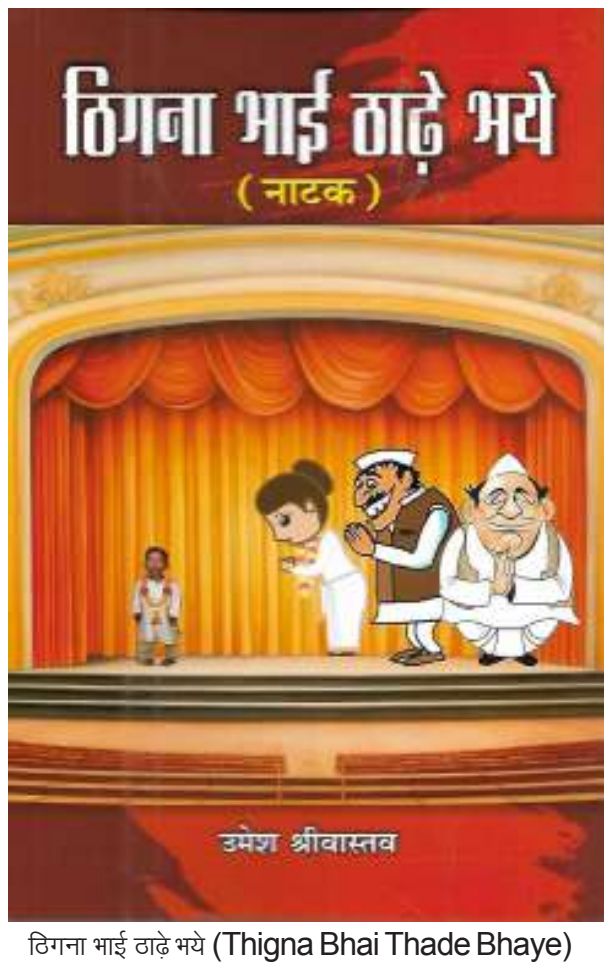

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

रूस को भारत से भिड़वाना चाहता है बांग्लादेश ? हिंदुस्तान ने रोका रास्ता तो पुतिन के पास क्यों गए आर्मी चीफ

कुछ दिनों पहले एक खबर आई थी कि बांग्लादेशी सेना में तख्तापलट होने वाला है। खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए मीडिया में छपी रिपोर्ट के बाद से चर्चा तेज हुई। इस रिपोर्ट में लिखा गया था कि भारत की मदद से बांग्लादेश की सेना के अंदर तख्तापलट की साजिश नाकाम हो गई। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेशी सेना प्रमुख वकार जमान के बीच पैदा हुए टकराव ने इस खबर पर यकीन करने के लिए सभी को मजबूर कर दिया। हो सकता है कि ये खबर सच भी हो। बांग्लादेशी सेना की मीडिया शाखा ने इस खबर का खंडन किया है। लेकिन इस बात को कोई भी छिपा नहीं सकता कि अंतरिम सरकार के समर्थक सेना प्रमुख से नाखुश हैं। रही सही कसर इस खबर ने पूरी कर दी है। खबर है कि बांग्लादेश की सेना के प्रमुख रूस के दौरे पर जा रहे हैं। ये दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहाकर मोहम्मद यूनुस चीन की यात्रा पूरी कर चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात कर चुके हैं। भारत चीन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ यूनुस की मुलाकात के बाद ही वकार उज जमान इस सप्ताह रूस की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे। जनरल ज़मान ने हथियार निर्माण सुविधाओं का दौरा करने के अलावा मास्को में नागरिक और सैन्य नेतृत्व दोनों के साथ परामर्श किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि रूसी उप रक्षा मंत्री कर्नल जनरल अलेक्जेंडर फोमिन और जनरल ज़मान ने सैन्य सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की और रूस और बांग्लादेश की सेनाओं और लोगों के बीच मौजूदा मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के लिए आपसी दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। यह यात्रा बांग्लादेशी सेना प्रमुख द्वारा वर्तमान में बांग्लादेशी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे चीनी मूल के रक्षा उपकरणों से विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा हो सकती है। बांग्लादेश में चीनी रणनीतिक उपस्थिति के दायरे को व्यापक बनाने के यूनुस के प्रयासों के बीच बढ़ते रूस–बांग्लादेश संबंधों से भारत को सहजता मिलेगी। बांग्लादेश का रूस के करीब जाना और सैन्य स्तर पर बातचीक को बढ़ाना कई संकेत दे रहा है। ये दर्शाता है कि बांग्लादेश बड़े स्तर पर जाकर सहयोग को बढ़ाना चाहता है। सबसे पहले तो इससे ये साबित हो रहा है कि बांग्लादेश रक्षा विविधिकरण की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश अपनी सैन्य जरूरतों के लिए चीन और कुछ हद तक भारत पर निर्भर रहा है। रूस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाना बांग्लादेश की उस रणनीति का हिस्सा हो सकता है जिसमें वो अपनी रक्षा आपूर्ति को विविध करना चाहता है। रूस जो वैश्विक स्तर पर हथियारों का एक प्रमुख निर्यातक भी है, उसके करीब जाना इसे और बड़ा बना रहा है।

संक्षिप्त

अमेरिका ने ईरानी तेल का परिवहन करने के लिए भारतीय नागरिक और दो भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया

अमेरिका ने ईरान के तेल का परिवहन करने और ईरान के ''छाया बेड़े'' के तौर पर काम करने के आरोप में संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले एक भारतीय नागरिक और भारत की दो कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि जुगविंदर सिंह बरार कई पोतपरिवहन कंपनियों के मालिक हैं और उनके पास लगभग 30 जहाजों का बेड़ा है, जिनमें से कई ईरान के ''छाया बेड़े'' के हिस्से के रूप में काम करते हैं। बरार का यूएई में व्यवसाय है इसके अलावा

वह भारत स्थित पोत परिवहन कंपनी 'ग्लोबल टैंकर्स प्राइवेट लिमिटेड' और पेट्रोकेमिकल बिक्री कंपनी 'बी एंड पी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के मालिक हैं या उनका नियंत्रण भी उनके पास है। वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने बरार और भारत–आधारित दो कंपनियों को प्रतिबंधित कर दिया है। ओएफएसी ने कहा कि बरार के जहाज इराक, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान की खाड़ी के जलक्षेत्र में ईरानी पेट्रोलियम के जहाज–से–जहाज (एसटीएस) स्थानांतरण में लिप्त हैं। इसके बाद ये माल अन्य मददगारों के पास पहुंचता है, जो अन्य देशों के उत्पादों के साथ तेल या ईंधन को मिला देते हैं और ईरान के साथ संबंधों को छिपाने के लिए पोत परिवहन संबंधी दस्तावेजों में हेराफेरी करते हैं जिससे ये माल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच जाता है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा, ''ईरानी शासन अपने तेल की बिक्री के लिए और अपनी अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए बरार और उसकी कंपनियों जैसे परिवहनकर्ताओं और दलालों के नेटवर्क पर निर्भर करता है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात के सभी माध्यमों को बाधित करने पर दृढ़ है, विशेष रूप से उन लोगों को जो इस व्यापार से लाभ कमाना चाहते हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दक्षिण–पूर्व एशिया के तीन देशों की यात्रा करेंगे

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के मकसद से अगले सप्ताह की शुरुआत में दक्षिण पूर्व एशिया के तीन देशों का दौरा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 145 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने के बाद यह शी का पहला विदेश दौरा होगा। चीन के

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को घोषणा की कि शी 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया की यात्रा पर जाएंगे। ये तीनों देश दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का हिस्सा हैं, जिसके साथ चीन का पिछले वर्ष सबसे अधिक 962.28 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था और चीन का निर्यात कुल 575 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

नेपाल में राजशाही समर्थक दुर्गा परसाई गिरफ्तार, हिंसक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आरोप

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने 28 मार्च को काठमांडू में हुए राजशाही समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि काठमांडू के तिनकुने में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन में शामिल दुर्गा परसाई को उसके बॉडीगार्ड के साथ भारत की सीमा से लगे झापा जिले से पकड़ा गया। परसाई पर राजकीय और संगठित अपराध में शामिल होने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परसाई को असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और नेपाल पुलिस को सौंप दिया। जो उसे झापा ले आई। हालांकि नेपाल और भारत के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि प्रभावी नहीं है। इसलिए असम में परसाई की गिरफ्तारी का खुलासा नहीं किया गया है। इससे पहले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव धवल शमशेर राणा और उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा सहित पांच दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इनके खिलाफ राज्य अपराध और संगठित अपराध के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और काठमांडू जिला न्यायालय के आदेश पर उन्हें न्यायिक रिमांड पर ले लिया है। वहीं आरपीपी इन नेताओं और कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग कर रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

न्यूयॉर्क : हवा में दोफाड़ होने के बाद हेलीकॉप्टर नदी में गिरा, पायलट समेत छह लोगों की मौत

न्यूयॉर्क में पर्यटन में इस्तेमाल होने वाला एक हेलीकॉप्टर बृहस्पतिवार को उड़ान के दौरान हवा में ही टूटकर दोफाड़ हो गया और हडसन नदी में जा गिरा जिससे उसमें सवार पायलट और स्पेन के पांच पर्यटकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि मृतकों में पायलट के अलावा जानी मानी कंपनी सीमेंस के कार्यकारी अधिकारी ऑगस्टिन एस्कोबार, उनकी पत्नी मर्स कैम्परुबी मोंटाल और तीन बच्चे शामिल हैं। हेलीकॉप्टर कंपनी की वेबसाइट पर जारी की गई तस्वीरों में दंपति और उनके बच्चे हेलीकॉप्टर में सवार होते समय मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि शवों को पानी से निकाल लिया गया है। हेलीकॉप्टर ने मैनहट्टन में उत्तर की ओर और फिर 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' की ओर 18 मिनट से भी कम समय तक उड़ान भरी। दुर्घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें हेलीकॉप्टर के कुछ हिस्से हवा में उछलकर जर्सी सिटी, न्यू जर्सी के तट के पास पानी में गिरते हुए दिखाई दिए। वहां मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ब्रूस वॉल ने बताया कि उसने विमान को हवा में ही 'टूटकर दोफाड़ होते हुए' देखा, जिसमें 'टेल' और 'प्रोपेलर' अलग हो गए। न्यू जर्सी के होबोकेन में नदी के किनारे स्थित एक रेस्तरां की संचालिका लेस्ली कैमाचो ने बताया कि हेलीकॉप्टर अनियंत्रित रूप से घूम रहा था और पानी में गिरने से पहले उसमें से 'धुआं निकल रहा था।' अधिकारियों ने बताया कि उड़ान का संचालन 'न्यूयॉर्क हेलीकॉप्टर्स' करता है। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में कंपनी के कार्यालयों में संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन वहां से कोई उत्तर नहीं मिला। कंपनी के मालिक माइकल रोथ ने 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि वह बेहद दुखी हैं और उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि दुर्घटना क्यों हुई। संघीय उड्डयन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर की पहचान 'बेल 206' के रूप में की है। इस मॉडल के हेलीकॉप्टर का वाणिज्यिक और सरकारी तौर पर व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा पर्यटन कंपनियां, टीवी चौनल और पुलिस बल में भी इस मॉडल के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाता है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने कहा कि वह दुर्घटना मामले की जांच करेगा।

सबसे बड़ा व्यापारी तो अपना भारत निकला, पहले रूस और अब अमेरिका से जमकर खरीदा तेल

भारत सरकार ने कच्चा तेल को एक स्ट्रैजिक हथियार बना दिया है। अमेरिका के साथ ट्रेड डेफेसिट कम करने और अरब देशों पर साइलेंट प्रेशर बनाने के लिए एक नया ही खेल शुरू कर दिया है। अमेरिका का व्यापार घाटा यानी ट्रेड डेफेसिट ट्रंप का अभी का सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत सरकार की सबसे अच्छी बात

ये है कि जब पूरी दुनिया डोनाल्ड ट्रंप से टकराव की स्ट्रैर्जी बना रही है। हमारी सरकार ने एक ऐसा रास्ता निकाल लिया है। जिससे ट्रंप न नाराज होंगे और न भारत का नुकसान होगा, न अमेरिका का नुकसान होगा। बल्कि इसमें दोनों को फायदा भी होगा। लेकिन अगर किसी का नुकसान होना है तो वो मीडिल ईस्ट के अरब देश हैं। अमेरिका दूसरे देशों से ज्यादा सामान खरीदता है, मगर बेचता कम है। अमेरिका एक साल में 10 अरब डॉलर का सामान खरीदता है। लेकिन सिर्फ पांच अरब डॉलर का सामान बेचता है। उदाहरण के लिए ऐसे समझ सकते हैं कि किसी देश से 100 रुपए का सामान खरीदता है और उस देश को 60 रुपए की चीजें बेचता है। तो 40 रुपए का ट्रेड डेफेसिट हो गया। 2024 में अमेरिका का कुल ट्रेड डेफेसिट 982 बिलियन डॉलर था। गुड्स में अमेरिका को 2 ट्रिलियन डॉलर का घाटा हुआ जबकि सर्विस सेक्टर 287 बिलियन डॉलर का फायदा हुआ। चीन, मैक्सिको और वियतमान के साथ अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। लेकिन भारत के साथ अमेरिका को केवल 5 बिलियन डॉलर का घाटा हो रहा था। अब भारत सरकार इस घाटे को खत्म करने की तैयारी में है। अमेरिका के इस घाटे को कम करने के लिए भारत सरकार ने जो रास्ता चुना है वो क्रूड ऑयल है। मार्च 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चा तेल आयात 67 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। फरवरी के मुकाबले मार्च में भारत ने अमेरिका को क्रूड के ज्यादा आयात किया। फरवरी में भारत ने अमेरिका से प्रतिदिन 146,000 बैरल कच्चा तेल आयात किया था। इसी समय, भारत ने रूस से भी तेल की खरीद बढ़ा दी। भारतीय रिफाइनर कंपनियों ने मार्च में रूसी तेल के आयात को 480,000 बैरल बढ़ाकर 1.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन कर दिया, जबकि एक महीने पहले यह 1.47 मिलियन बैरल प्रतिदिन था। मार्च में भारत ने इराक से 17 प्रतिशत कम क्रूड लिया। सऊदी अरब से 16 प्रतिशत कम, यूएई से 1 प्रतिशत कम और ये कटौती अमेरिका को फायदा देने के लिए की गई। पिछले एक साल में कच्चे तेल की कीमत में बहुत उतार–चढ़ाव रहा है। ब्रेंट क्रूड का 52–सप्ताह का उच्चतम स्तर 92.18 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था, जबकि 52–सप्ताह का न्यूनतम स्तर 68.33 डॉलर था, जो मौजूदा कीमत से 8: से थोड़ा अधिक है।

यून सुक येओल ने छोड़ा राष्ट्रपति निवास, निजी घर के लिए रवाना होते हुए समर्थकों को लगाया गले

सियोल। दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल ने शुक्रवार को राष्ट्रपति निवास छोड़ दिया। वह अपनी पत्नी किम कीन ही, 11 कुत्तों और बिल्लियों के साथ समृद्ध दक्षिणी सियोल स्थित अपने निजी निवास लौट गए। वह राष्ट्रपति निवास से काली वैन में सवार होकर निकले। जैसे ही वैन गेट पर पहुंची, उनके समर्थकों ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान यून ने मुस्कुराते हुए समर्थकों की ओर हाथ हिलाया, हाथ मिलाया और गले मिले। फिर गाड़ी में सवार होकर वहां से निकल गए। यून सुक येओल के आगमन से पहले, उनके दर्जनों समर्थक और आलोचक भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उनके निजी आवास के पास एकत्र हुए। यून के समर्थकों के हाथों में श्महामहिम यून, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगेश के नारे लिखे बैनर थे, जबकि उनके आलोचकों के हाथ में श्यून सुक योल को मृत्युदंड दो!श के नारे लिखे बैनर थे। बता दें कि एक सप्ताह पहले सांविधानिक न्यायालय ने दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के कारण यून सुक को राष्ट्रपति पद से हटा दिया था। जनवरी में हन्नाम–डोंग जिले में स्थित राष्ट्रपति परिसर को कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने घेर लिया था और यून को हिरासत में लिया था। विद्रोह के आरोपों में आपराधिक मुकदमे का सामना कर रहे यून सुक की सियोल की अदालत ने गिरफ्तारी रद्द कर दी थी, जिसके बाद मार्च में उन्हें हिरासत से रिहा कर दिया गया था। यून सुक येओल ने 2022 के चुनाव में मामलू अंतर से जीत हासिल की थी। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने तीन दिसंबर को देर रात मार्शल लॉ की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने राज्य विरोधी उदारवादियों को खत्म करने की कसम खाई और उन पर अपने एजेंडे को बाधित करने के लिए अपने विधायी बहुमत का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। इस दौरान यून सुक ने विधायी गतिविधियों को निलंबित करने की भी घोषणा की। यून ने नेशलन असेंबली को घेरने के लिए सैकड़ों सैनिकों को भेजा, लेकिन सांसद कोरम बनाने में कामयाब रहे। मार्शल लॉ लागू होने के कुछ ही घंटों बाद यून को हटाने के लिए मतदान किया। 14 दिसंबर को असेंबली ने यून पर महाभियोग लगाया और उनकी शक्तियों को निलंबित कर दिया। सांविधानिक न्यायालय ने महाभियोग को बरकरार रखा। एक सप्ताह पहले सांविधानिक न्यायालय ने औपचारिक रूप से यून को राष्ट्रपति पद से हटा दिया। इसके बाद सरकार ने तीन जून को राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा की।

50 वर्षों में पहली बार, 6,700 से ज्यादा सिख पहुंचे पाकिस्तान

संस्कृति और लोककथाओं के उत्सव में बैसाखी मेला उत्सव में भाग लेने और खालसा पंथ का स्मरण करने के लिए 6,700 से अधिक सिख तीर्थयात्री गुरुवार को वाघा सीमा के माध्यम से भारत से पाकिस्तान पहुंचे। 50 वर्षों में यह पहली बार है कि पाकिस्तान सरकार ने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,751 वीज़ा जारी किए हैं। पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीज़ा दिए हैं। आमतौर पर,

पाकिस्तान–भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौते 1974 के तहत किसी भी धार्मिक त्यौहार के लिए 3,000 सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की अनुमति है।

खालसा की 326वीं स्थापना वर्षगांठ

बैसाखी का त्यौहार सिखों के नए साल का प्रतीक है और गुरु गोविंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ (संत–योद्धाओं) के गठन की याद दिलाता है। मुख्य समारोह 14 अप्रैल को गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में आयोजित किया जाएगा। सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत पाकिस्तान के अंतरधार्मिक सद्भाव राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष और पंजाब अल्पसंख्यक मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, ईटीपीबी सचिव फरीद इकबाल और अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने वाघा सीमा चेक पोस्ट पर किया।

सिख नेताओं ने पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेता दलजीत सिंह सरना ने वाघा बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसने सिख समुदाय का दिल जीत लिया है। बैसाखी के त्यौहार में भाग लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचने वालों में अमृतसर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और 11 अन्य भारतीय राज्यों के लोग शामिल थे।

सीनेट ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के नाम को दी मंजूरी, लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को मिली जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के पद पर लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन के नाम को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नामित लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन अमेरिका के अगले जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ होंगे। यह पद बीते दो महीने से खाली था क्योंकि पूर्व जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ को राष्ट्रपति ट्रंप ने बर्खास्त कर दिया था। नए जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ अमेरिकी वायुसेना के प्रतिष्ठित एफ–16 फाइटर प्लेन के पायलट रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन कई विशेष कमांड का नेतृत्व भी कर चुके हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।